डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी
Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

जनवरी 2024 | आयुर्वेदात्मकं ज्योतिः शाश्वतं नः प्रकाशताम्। | वर्ष 6, अंक 03

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस कौमारकॉन –2023 का उद्घाटन किया *(विस्तृत समाचार पृष्ठ 27 पर)*

इस अंक में .....

- आयुर्वेद में दर्द का उपचार एवं प्रबन्धन विषय पर वेबीनार आयोजित
- स्वस्थवृत्त विभाग में "माइन्ड योर माइन्ड" विषयक राष्ट्रीय वेबिनार, नुक्कड़ नाटक और जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन
- निःशुल्क नशामुक्ति चिकित्सा शिविर आयोजित
- मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत अमृत कलश रैली एवं शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित एवं एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन
- फ्रांसीसी पर्यटकों ने जानी पंचकर्म की विशेषता
- विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय इन्स्टीट्यूशनल रिसर्च कमेटी की बैठक आयोजित
- स्नातकोतर रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा फूड फेस्टिवल का आयोजन
- आयुर्वेद विवि में शोधपत्र लेखन विषयक छः दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन
- स्पोर्ट्स मेडिसिन थेरेपी और मर्म चिकित्सा विषयक कार्यशाला का आयोजन
- धन्वंतरि जयंती समारोह का आयोजन

RAJBIL/2017/74087

कुलपति सन्देश .....

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय अपनी यात्रा के बीस बसन्त देख चुका है। आज यह विश्वविद्यालय अपने विशाल परिसर भव्य भवन और ग्यारह विभागों में स्नातकोत्तरीय पाठ्यक्रमों, योग एवं प्राकृतिक महाविद्यालय एवं होम्योपैथी महाविद्यालय के साथ उत्तरोतर उन्नतिपथ पर अग्रसर है। आईआईटी जोधपुर, निफ्ट जोधपुर, विविध सैन्य आधिकारिक इकाईयों तथा जोधपुर शहर के विविध स्थानों में नियमित आयुष ओपीडी के साथ ही जोधपुर शहर और जोधपुर के सीमावर्ती ग्रामीण इलाकों में निरन्तर निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में विश्वविद्यालय का परचम कौमारकॉन 2023 के सफल आयोजन से लहराया है। इस विश्वविद्यालय के कौमारभृत्य विभाग द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में बारह देशों के ख्यातनाम आयुर्वेदज्ञों ने शिरकत को। निस्सन्देह, वैश्विक मानचित्र पर विश्वविद्यालय ने अपनी पहचान को और सुदृढ़ किया है। कौमारकॉन 2023 के उद्घाटन समारोह में महामहिम राज्यपाल महोदय की गरिमामय उपस्थिति ने इस कायक्रम को अतुल्य भव्यता प्रदान की।

इस कार्यक्रम को अभूतपूर्व बनाने हेतु विश्वविद्यालय कुटुम्ब के प्रत्येक सदस्य ने अपना शत प्रतिशत योगदान दिया, मैं इसकी मुक्तकण्ठ से सराहना करता हूँ। वर्ष 2023 के अंतिम दो माह अति व्यस्त रहे। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं योग व प्राकृतिक चिकित्सा के पंचवर्षीय पाठक्रम में तथा आयुर्वेद महाविद्यालय के स्नातकोत्तर पाठयक्रम में नवप्रविष्ट विद्यार्थियों हेतु इन्डक्शन प्रोग्राम आयोजित किये गये। विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर रसशास्त्र विभाग तथा रचना शारीर विभाग द्वारा देश भर से चयनित सम्बन्धित विभाग के शिक्षकों हेतु छः दिवसीय सीएमई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा अक्टूबर–नवम्बर माह में छः दिवसीय कार्यशाला "How to Write and Publish a Scientific Research Paper" आयोजित की गई।

इस अवधि में विश्वविद्यालय ने जो कीर्तिमान योगाभ्यास तथा प्राकृतिक क्रियाओं के अभ्यास के द्वारा स्थापित किये है, आशा करता हूँ कि भविष्य में उनमें और वृद्धि होगी। होम्योपैथी चिकित्सालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण माननीय राज्यपाल महोदय के करकमलों से सम्पन्न हुआ। पंचकर्म के सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स के उच्च सुविधायुक्त कुटीरों का निर्माण भी द्रुतगति से चल रहा है। शीघ्र ही यह केन्द्र जन–समर्पित होगा। इसी प्रकार योग चिकित्सा केन्द्र एवं मन्त्र साधना केन्द्र का निर्माण भी जोर शोर से चल रहा है। वर्ष 2024 में भी विश्वविद्यालय उन्नति के नव आयामों का स्पर्श करेगा।

इसी मंगलकामना के साथ सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं।

प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति
कुलपति

स्वच्छ भारत अभियान के तहत विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय स्वच्छता अभियान का आयोजन

माननीय कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की प्रेरणा से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर आयुर्वेद महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की विश्वविद्यालय इकाई सहित समस्त छात्रों द्वारा गांधी जयन्ती के उपलक्ष में तीन दिवसीय स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस क्रम में दिनांक 1 से 3 अक्टूबर तक महाविद्यालय के छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा परिसर, छात्रावास तथा अस्पताल में सफाई की गई। स्वच्छता–सेवकों द्वारा सभी जगहों की सफाई के पहले और बाद के छायाचित्रों को स्वच्छ भारत पोर्टल पर अन्य लोगों को प्रेरित करने के लिए भी डाला गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कचरा मुक्त परिसर, वृक्षारोपण तथा स्वच्छता का संदेश देने के साथ–साथ महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होने के साथ–साथ भारत की वैश्विक छवि सुधारने तथा पर्यटन को बढावा देना था।

इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के प्रभारी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पूर्विया सहित डॉ. नरेन्द्र पुरोहित, डॉ. रामेश्वर डूडी, डॉ. भानुप्रिया चौधरी, डॉ. प्रेम कुमार वर्मा, डॉ. निकिता पंवार एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में वृद्धावस्था देखभाल सहायक का सर्टिफिकेट कोर्स करने से मिलेंगे रोजगार के अवसर

विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 3 अक्टूबर 2023 से वृद्धावस्था में होने वाली विभिन्न बीमारियों से पीड़ित वृद्धजनों की देखभाल युवाओं को सिखाने के लिए सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

किया गया है। आजकल पूरे प्रदेश एवं देश भर में ओल्ड एज होम्स की संख्या बढ़ती जा रही है। परन्तु इन ओल्ड एज होम्स में काम करने वाले नहीं मिल रहे हैं। अगर मिल भी रहे हैं तो उनके पास इससे सम्बन्धित बेसिक जानकारी नहीं होती है। विश्वविद्यालय द्वारा इस हेतु समस्त मूलभूत आवश्यकताओं एवं जानकारियों का समावेश करते हुए इस कोर्स को शुरू किया गया है। इस कोर्स के छात्रों को ओल्ड एज होम में प्लेसमेंट भी मिल सकेगा। यह कोर्स 6 माह का होगा जिसके लिए 10 वीं पास कोई भी अभ्यर्थी आवेदन कर सकेगा। इसका समन्वयक चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा को नियुक्त किया गया है।

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग की विश्व को जरूरत : कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार

भारत की पहली राष्ट्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा कॉन्फ्रेन्स दिनांक 4 अक्टूबर को बिड़ला आडिटोरियम में आयोजित हुई। इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने की तथा मुख्य आतिथ्य डॉ. राजेन्द्र राव, निदेशक, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिशद का रहा। इस कार्यक्रम के सचिव डॉ. सिद्धार्थ यादव, आयोजन सचिव डॉ. मार्कण्डेय बारहठ एवं डॉ. कमलेश जांगिड़ ने बताया इस कॉन्फ्रेन्स में राजस्थान सहित उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा आदि राज्यों के लगभग 1500 प्राकृतिक चिकित्सकों ने भाग लिया। कुलपति ने अपने उद्बोधन में प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग को विश्व की जरूरत बताई तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में महत्व बताया। उन्होंने बताया कि कोविड के दौरान भी योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की क्रियाएं जल नेति, सूत्र नेति, प्राणायाम आदि इस भयानक रोग की रोकथाम एवं इलाज में सहायक रहे। केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के निदेशक डॉ. राजेन्द्र राव ने बताया कि भारत में योग एवं नेचुरोपैथी के क्षेत्र में अनुसंधान का विशेष महत्व है एवं उन्होंने बताया कि केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के द्वारा प्राकृतिक चिकित्सकों के लिए शीघ्र ही भर्तियां निकाली जा रही है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुभाष धायल एवं सचिव डॉ. सिद्धार्थ यादव ने बताया कि यह कार्यक्रम राजस्थान योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा डॉक्टर एसोसिएशन, केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद, राजस्थान राज्य प्राकृतिक चिकित्सा विकास बोर्ड के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के 33 जिलों में पदस्थापित प्राकृतिक चिकित्सकों का डॉ. एकलव्य बोहरा द्वारा सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. सिद्धार्थ यादव ने किया।

माननीय कुलपति महोदय द्वारा वृक्षारोपण

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 7 अक्टूबर को रसायनशाला के उद्यान में वासा तथा एलोवेरा के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष प्रो. चन्दन सिंह, रसायनशाला निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीषा गोयल, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संगीता इन्दोरिया तथा रसायनशाला के कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया। रसायनशाला में बनने वाली दवाइयों में काम में आने वाले पौधों का कुलपति महोदय द्वारा समय–समय पर विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया जा रहा है, इससे कुछ ही समय में परिसर का कायाकल्प हो गया है।

आयुष समृद्धि अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार श्रृंखला का आगाज कुलपति द्वारा सम्पन्न

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 9 अक्टूबर 2023 को आयुष समृद्धि अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार श्रृंखला के उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ायी। इस वेबीनार श्रृंखला का आयोजन स्वतंत्र अनुसंधान नीति आयोग द्वारा किया जा रहा है। प्रो. प्रजापति ने इस वेबिनार में आयुर्वेद के मौलिक सिद्धान्तों की मेडिकल के क्षेत्र में उपादेयता विषय पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर विभिन्न राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वानों, महाविद्यालय शिक्षकों, आयुर्वेद चिकित्सकों, स्नातक तथा स्नात्तकोत्तर छात्रों ने पूरे देश से भाग लिया।

विश्वविद्यालय में पौधारोपण व मोटिवेशनल व्याख्यान का आयोजन

विश्वविद्यालय में आयुष मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार आयुर्वेद दिवस–2023 समारोह के अन्तर्गत मासपर्यंत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनांक 9 अक्टूबर को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, जोधपुर के सभागार में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के वाणिज्य एवम् प्रबंध संकाय के सह आचार्य डॉ. क्षितिज महर्षि द्वारा **बिलीविंग इन योरसेल्फ** विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया गया।

डॉ. क्षितिज महर्षि ने अपने व्याख्यान में कहा कि व्यक्ति मन में निश्चय करके लक्ष्य प्राप्ति के लिए आगे बढ़ता है तो वह निश्चय ही सफलता प्राप्त करता है। उन्होंने सचिन तेंदुलकर, उसैन बोल्ट, माईकल फेलप्स इत्यादि महान व्यक्तित्वों का उदाहरण देते हुए कहा कि मन में आशा और अवसर को उपलब्धि में बदलने का भाव ही आगे बढ़ाने की सार्थक पहल है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति महोदय ने सभागार में उपस्थित संकाय सदस्यों, स्नातकोत्तर एवम् स्नातक अध्येताओं को आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार ''आयुर्वेद फॉर वन हेल्थ – हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद'' के अंतर्गत स्कूली छात्रों को विश्वविद्यालय स्थित चिकित्सालय, पंचकर्म, हर्बल गार्डन, रसायनशाला आदि के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने आसपास के प्रत्येक गांव में चिकित्सा शिविर लगाकर ग्रामवासियों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने तथा किसानों को औषधि पादपों का वितरण करने एवं जन स्वास्थ्य में जागरुकता के लिए नुक्कड नाटक, जागरुकता रैली एवं आहार विहार तथा स्वास्थ्य संबंधित व्याख्यानों का आयोजन करने हेतु प्रेरित किया।

आयुर्वेद दिवस आयोजन समिति की अध्यक्ष कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया ने बताया कि पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद, जोधपुर के समस्त विभागों एवं चिकित्सालय टीम द्वारा कई गतिविधियों जैसे मानसिक स्वास्थ्य से सम्बन्धित नुक्कड़ नाटक तथा व्याख्यान, शारीरिक स्वास्थ्य सम्बन्धित जांच शिविर, रंगोली, पोस्टर प्रतियोगिता, शारदीय विरेचन चिकित्सा, नशा मुक्ति जागरुकता रैली एवं व्याख्यान, क्विज प्रतियोगिता, CCRAS सॉफ्टवेयर से प्रकृति परीक्षण एवं नाड़ी परीक्षा, मर्म चिकित्सा सिद्धांत विषयक अतिथि व्याख्यान, देहदान के लिए जागरुकता कार्यक्रम, स्वर्णप्राशन कार्यक्रम, बालस्वास्थ्य परीक्षण आदि कार्यक्रमों का आयोजन एक माह तक किया जायेगा। प्राचार्य प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्राचार्य पी.जी.आई.ए. प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा, डीन रिसर्च प्रो. प्रेम प्रकाश व्यास, डीन एकेडमिक प्रो. राजेश कुमार शर्मा, द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष प्रो. चन्दनसिंह, प्रसूति तंत्र विभागाध्यक्ष प्रो. ए. नीलिमा रेड्डी, मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, रसायनशाला निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी, अगद तंत्र विभागाध्यक्ष डॉ. रितु कपूर, आई. टी इन्चार्ज डॉ. हरीश सिंघल, आयुर्वेद दिवस 2023 सदस्य सचिव डॉ. मनोज अदलखा, डॉ. रश्मि शर्मा सहित समस्त संकाय सदस्य तथा स्नात्तकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सदस्य सचिव डॉ. दिनेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर द्रव्यगुण विभाग के तत्वाधान में कुलपति ने 50 औषधीय पादप लगाकर आयुर्वेद दिवस 2023 महोत्सव का शुभारम्भ किया।

आयुर्वेद में दर्द का उपचार एवं प्रबन्धन विषय पर वेबीनार आयोजित

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस–2023 समारोह के अन्तर्गत हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद की थीम के साथ मासपर्यन्त आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में काय चिकित्सा विभाग द्वारा दिनांक 18 अक्टूबर को आयुर्वेद में दर्द का उपचार एवं प्रबन्धन विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रुप में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान डीम्ड विश्वविद्यालय जयपुर के एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. हरीश बाकुनी ने दर्द की उत्पत्ति की संप्राप्ति तथा दर्द निवारण के आयुर्वेदीय उपायों पर प्रकाश डालते हुए जीवन शैली, आहार–विहार तथा निद्रा का महत्त्व बताया। उन्होंने शरीर के विभिन्न अधिष्ठानगत शूलों की चर्चा करते हुए उनके शमन के लिए विभिन्न औषध एवं उपचार पद्धति के बारे में बताया। उन्होंने आयुर्वेद के माध्यम से जीवनशैली में परिवर्तन करने तथा आयुर्वेदीय औषधियों के द्वारा दर्द का उपचार करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उक्त वेबिनार में विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने अतिथि व्याख्याता का स्वागत एवं संक्षिप्त परिचय दिया। विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. भानुप्रिया चौधरी, डॉ. नीतू शर्मा, डॉ. आयुषी भास्कर एवं डॉ. दिव्या सिंह चारण ने वेबीनार में सहभागिता की।

पंचकर्म विभाग में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोह का आयोजन

स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग के पंचकर्म सेंटर आफ एक्सीलेंस में वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे दिनांक 11 अक्टूबर को मनाया गया । पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने तनाव (डिप्रेशन) को दूर करने में आयुर्वेद की भूमिका और मैत्री, करुणा, मुदिता, उपेक्षा इत्यादि भाव से तनाव को दूर करने के उपाय बताए एवं मानसिक बीमारियों में आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सा शिरोधारा, शिरो अभ्यंग, नस्य इत्यादि के प्रयोग का महत्व समझाया। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिलीप कुमार व्यास ने स्वस्थ व्यक्ति की पहचान एवं मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बताया । डॉ. अचलाराम कुमावत एवं डॉ. गौरी शंकर राजपुरोहित ने मानसिक स्वास्थ्य में आयुर्वेद चिकित्सा के महत्व के बारे में बताया एवं मानसिक बीमारियों का समय पर इलाज न होने से वह कैसे शारीरिक बीमारियों में परिवर्तित हो जाती हैं इसके बारे में बताया । पंचकर्म अध्येता डॉ. मानवी यादव ने मानसिक बीमारियों के लक्षण, मानसिक बीमारियों के अंदर काउंसलिंग और उनकी चिकित्सा में पौष्टिक आहार, व्यायाम, मेडिटेशन इत्यादि की जानकारी दी । डॉ. राकेश कटारा ने मानसिक बीमारियों के रोगियों की काउंसलिंग पर जोर दिया और पंचकर्म चिकित्सा पद्धतियों से इलाज का महत्व समझाया ।

स्वस्थवृत विभाग में "माइन्ड योर माइन्ड" विषयक राष्ट्रीय वेबिनार, नुक्कड़ नाटक और जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय में स्नातकोतर स्वस्थवृत्त विभाग द्वारा दिनांक 11.10.2023 को माइन्ड यॉर माइन्ड विषय पर डॉ. रिनजिन असिस्टेंट प्रोफेसर कायचिकित्सा विभाग द्वारा वर्ल्ड मेन्टल हेल्थ डे पर वेबिनार में अतिथि व्याख्यान दिया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को परिभाषित करते हुए सामान्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, बीमारियों, तथा उनकी काउंसलिंग एवं उपचार की जानकारी दी। डॉ. रिनजिन ने योग एवं प्राणायाम की विशेषता बताते हुए कहा कि नित्य 30 मिनट योग के अभ्यास से इन समस्याओं से बचा जा सकता है। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा ने अतिथि वक्ता का स्वागत किया। विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानन्द शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस अवसर पर स्वस्थवृत्त विभाग के अध्येताओं द्वारा जागरुकता के लिए संजीवनी चिकित्सालय में मानसिक स्वास्थ्य पर नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. प्रजापति ने मानसिक स्वास्थ्य का महत्व बताते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम स्वयं में विश्वास रखें तथा अपनी समस्याओं के संबंध में अपने मित्रों तथा परिवारजन से बात करें। साथ ही उन्होंने समाज में मानसिक बीमारियों को सामान्य बीमारियों की तरह स्वीकार करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने बताया कि हर व्यक्ति अपने जीवन काल में मानसिक समस्या का सामना करता है। इसलिए समय रहते उपयुक्त चिकित्सा परामर्श अवश्य लेना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. गजेन्द्र कुमार दुबे, डॉ. प्रियंका इनाणिया, डॉ. हेमन्त राजपुरोहित, डॉ. अवधेश शांडिल्य सहित अन्य संकाय सदस्य एवं स्नातकोतर अध्येता उपस्थित रहे।

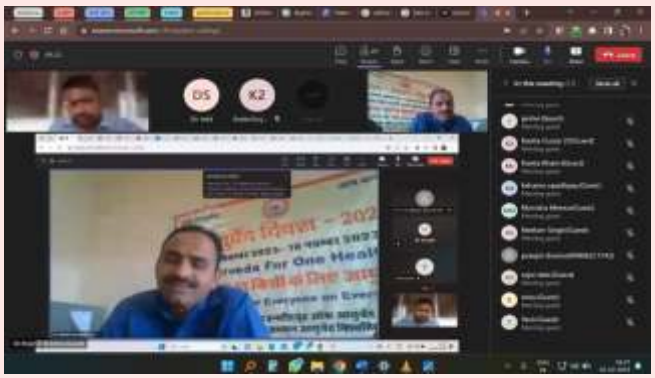

होम्योपैथी कॉलेज के छात्रों द्वारा जिला न्यायालय जोधपुर का शैक्षणिक भ्रमण

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक यात्रा के तहत जिला न्यायालय जोधपुर का भ्रमण किया। सभी छात्रों ने मजिस्ट्रेट कोर्ट, सेशन कोर्ट का दौरा किया और कोर्ट की कार्यप्रणाली को साक्षात रूपेण देखा। इस दौरान विभिन्न प्रकार की अदालतों पर एडवोकेट श्री इस्माइल शेरानी द्वारा एक व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम का समन्वयक डॉ. गौरव नागर, प्रिंसिपल, यूसीएच की देखरेख में फोरेंसिक विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र प्रताप राव ने किया।

इस कार्यक्रम की डेट लिखें।

तनाव व अवसाद को दूर करने में साहित्य सक्षम–कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति

अखिल भारतीय साहित्य परिषद द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन दिनांक 11.10.2023 को किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ परिषद गीत से शिखा झा ने किया। अतिथियों का परिचय एवं स्वागत राकेश राजगुरु ने किया। काव्य गोष्ठी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ प्रेम प्रकाश व्यास, डीन रिसर्च ने की। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार सुभाष सिंह चौहान, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. लक्ष्मण मोतीवाल एवं समाजसेवी पुष्कर कुमार शर्मा थे। काव्य गोष्ठी में राकेश ने ''कड़क रही है बिजलियां मगर बरसात नहीं होती, आजकल मुझसे मेरी बात नहीं होती'', पंकज सरकार ने ''मैंने उड़ना सीख लिया है अब तो अपने पंखों से'', भूमि नापी और नापेंगे गगन भी अपने पंखों से, कृष्णा वैष्णव ने ''बजा कर प्रेम की बंसी चुराया चित्त मेरा तुमने'' बनाकर प्रेमिका मुझको किया उपकार भी तुमने आदि अनेक कवियों ने विविध काव्य पाठ किए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. प्रजापति ने कहा कि साहित्यिक कार्यक्रमों के माध्यम से व्यक्ति के तनाव को दूर किया जा सकता है। स्वस्थ मनोरंजन में भी साहित्य की महति भूमिका है। वर्तमान जीवनशैली में तनाव और अवसाद बड़ी बीमारी के रूप में सामने आ रहे हैं। ऐसे में हास्य, व्यंग्य, वीर और श्रृंगार रस की कविताएं उसे इनसे बाहर आने में काफी मदद कर सकती हैं।

रसायनशाला के नवीन उपकरणों का उद्घाटन

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के रस शास्त्र विभाग के नए उपकरणों का उद्घाटन दिनांक 11 अक्टूबर को किया गया। इस अवसर पर प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल विभागाध्यक्ष, रसशास्त्र विभाग, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजाराम अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीषा गोयल, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरीश कुमार सिंघल, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संगीता इंदौरिया, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रवि प्रताप सिंह एवं सहित स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित थे।

निःशुल्क नशामुक्ति चिकित्सा शिविर आयोजित

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की गरिमामय उपस्थिति में अगदतंत्र विभाग की नशा मुक्ति इकाई द्वारा जोधपुर के चामू तहसील में मेरिया ग्राम पंचायत में दिनांक 11 अक्टूबर को नशा मुक्ति जागरुकता एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामवासियों ने कुलपति प्रो. प्रजापति का समाज के कल्याणकारी कार्यों के आयोजन करने के लिए भव्य अभिनन्दन किया । प्रो. प्रजापति ने मेरिया ग्रामवासियों, युवाओं, स्कूली छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बुजुर्गों के साथ युवा भी नशे की चपेट में आ रहे हैं, जिसकी वजह से पढ़ने–लिखने की उम्र में नाबालिग बच्चे संगति और अन्य कारणों की वजह से नशे के जंजाल में फँस रहें हैं। यह नशा स्वस्थ एवं समृद्ध समाज के निर्माण की परिकल्पना को नष्ट कर रहा है। इसी विचार को समाज

में परिणत करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा नशा मुक्ति चिकित्सा एवम् जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। कुलपति ने शिक्षित समाज बनाने पर जोर देते हुए कहा कि यह शिक्षित समाज तभी राष्ट्र का विकास कर पाएगा जब ये व्यसन से मुक्त रहेगा। उन्होंने ग्रामीणवासियों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति को आज प्रण लेना है कि अपने जीवन में कम से कम दो लोगों को नशा छुड़वाने के लिए प्रेरित करेंगे । उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की नशा मुक्ति इकाई व्यसन से ग्रसित रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही हैं। यंहा पर नशा छोड़ने के लिए अनुकूल वातावरण के साथ–साथ निःशुल्क औषधि, पंचकर्म, रहना–खाना आदि की उचित व्यवस्था उपलब्ध है। शिविर प्रभारी डॉ. प्रवीण प्रजापति ने बताया कि इस शिविर में अफीम, डोडा, तंबाकू, सिगरेट, शराब आदि व्यसन के लगभग 71 मरीजों को निःशुल्क औषधि परामर्श प्रदान किया गया। इस शिविर में स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. नरेश लोहिया, डॉ. जयदीप गोठवाल एवम् फार्मासिस्ट राहुल ने अपनी सेवायें दीं।

शालाक्य तंत्र विभाग द्वारा विश्व दृष्टि दिवस पर 113 विद्यार्थी लाभान्वित

दिनांक 12.10.2023 को माननीय कुलपति महोदय प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के शालाक्य तंत्र विभाग द्वारा विश्व दृष्टि दिवस पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, करवड़ में 'नेत्र परीक्षण शिविर एवं नेत्र स्वास्थ्य परिचर्या पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

शिविर प्रभारी सहायक आचार्य डॉ. राजीव सोनी द्वारा विद्यार्थीयों को आयुर्वेद परिचर्या का सामान्य ज्ञान एवं नेत्र स्वास्थ्य संबंधी पथ्य आहार विहार के बारे में जानकारी दी एवं सहायक आचार्य डॉ. प्रेम कुमार द्वारा नेत्र दृष्टि को प्रभावित करने वाले कारणों और उनसे रोकथाम हेतु उपायों को बताया गया। शिविर में 113 विद्यार्थी दृष्टि परीक्षण से लाभान्वित हुए। विश्वविद्यालय के दल ने शिविर में व्यवस्था करवाने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोविन्द सिंह जी उदावत, श्री भारत सिंह राठौड़ व उपस्थित अन्य आमजन का आभार व्यक्त किया।

शारदीय विरेचन कर्म की विवरणिका और ऑनलाइन गूगल फॉर्म का विमोचन

प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस समारोह की श्रृंखला के तहत शारदीय विरेचन कर्म की विवरणिका और ऑनलाइन गूगल फॉर्म का विमोचन दिनांक 12 अक्टूबर को किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, वित्त नियंत्रक श्री मंगलाराम विश्नोई, अस्पताल अधीक्षक प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा, पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, मौलिक सिद्धांत विभागाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र चाहर, सहायक प्रोफेसर डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. अचला राम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित एवं पंचकर्म विभाग के सभी स्नात्तकोत्तर अध्येता उपस्थित थे।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में वर्ल्ड आर्थराइटिस – डे मनाया

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के नेतृत्व में दिनांक 12 अक्टूबर को वर्ल्ड आर्थराइटिस डे मनाया गया। पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि आजकल निष्क्रिय जीवन शैली के कारण जोड़ों के रोगों में अधिकता आई है। इसके चलते शरीर के अंगों में ऐंठन, दर्द और सूजन की शिकायत रहती है। व्यायाम नहीं करने से शरीर में लचीलेपन की कमी, ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा, वज़न बढना, मेटाबॉलिज्म कम होना तथा जोड़ों के रोगों में तेजी से बढोतरी हुई है। असिस्टेंट प्रो. दिलीप कुमार व्यास ने बताया कि नियमित योग और व्यायाम से जोड़ों को स्वस्थ करने में मदद मिलती है। डॉ. अचलाराम कुमावत एवं

डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित ने बताया कि आयुर्वेद की स्वस्थ जीवन शैली व पौष्टिक आहार को अपना कर जोड़ों के रोगों से बचा जा सकता है। डॉ. संदीप व डॉ. पूजा कलाल ने संधिगत रोगों के निदान, लक्षण एवं चिकित्सा के बारे में बताया। इस अवसर पर डॉ. श्योराम शर्मा, डॉ. नवनीत दाधीच एवं पंचकर्म विभाग के अध्येता एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत अमृत कलश रैली एवं शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्त्वावधान में दिनांक 13 अक्टूबर को मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत अमृत कलश रैली एवं शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर अमृत–कलश यात्रा का शुभारंभ किया। अमृत कलश यात्रा और रैली विश्वविद्यालय के आंगिक महाविद्यालय, संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय और छात्र एवं छात्रा छात्रावास में संपन्न हुई। इस अवसर पर प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा प्राचार्य निदेशक, पीजीआईए, प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल पूर्व प्राचार्य, प्रो. चंदन सिंह विभागाध्यक्ष द्रव्यगुण विभाग, प्रो. राजेश कुमार शर्मा विभागाध्यक्ष, क्रिया शारीर विभाग, डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ. श्योराम शर्मा, डॉ. मनीषा गोयल, डॉ. अरुण दाधीच, डॉ. हरीश कुमार सिंघल, डॉ. मनोज अदलखा, डॉ. मार्कंडेय, डॉ. संकल्प शर्मा, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के प्रभारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद पूर्विया एवं कार्यकारिणी सदस्य डॉ. नरेंद्र पुरोहित, डॉ. भानुप्रिया चौधरी, डॉ. निकिता पंवार, डॉ. रामेश्वर डूडी, डॉ. रवि प्रताप एवं एनएसएस इकाई के सभी स्वयंसेवकों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया।

विश्वविद्यालय के पंचकर्म विभाग में मदनफल विषयक प्रायोगिक कार्यशाला आयोजित

स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 2023 के मद्देनजर मनाये जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनांक 13 अक्टूबर को मदनफल विषयक प्रायोगिक कार्यशाला के चौथे दिन घृत साधित मदनफल के साथ मधु का संयोग करवाया गया। इस कार्यशाला में पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि अकल्पनीय चिकित्सीय गुणों से भरपूर मदनफल आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण औषधि है। इसका पंचकर्म के प्रथम कर्म वमन के लिए लम्बे समय से उपयोग किया जा रहा है। इसके द्वारा किये जाने वाले शोधन का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि वमन के द्वारा त्वचागत रोगों में, कफज व्याधियों में अत्यंत लाभ मिलता है । इस कार्यक्रम में भूतपूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. महेश शर्मा एवं असिस्टेंट प्रो. डॉ. अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित सहित स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग के पीजी अध्येता एवं स्नातक छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे ।

औषधीय पौधों की जैविक खेती पर विशेष व्याख्यान का आयोजन

विश्वविद्यालय में द्रव्यगुण विभाग द्वारा औषधीय पौधों की जैविक खेती पर विशेष व्याख्यान का आयोजन दिनांक 13 अक्टूबर को किया गया। डॉ. पूनम कलश, श्री तुलछाराम सिंवर (भारतीय किसान संघ, प्रदेश मंत्री राजस्थान), श्रीमती विमला देवी सियाग (किसान मित्र) द्वारा ''जैविक पौष्टिक उद्यान एवं स्वास्थ्य संवर्धन में उपयोगी औषधीय पौधे'' विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं आर्थिक दृष्टिकोण के साथ–साथ वर्तमान में प्रयोग किये जा रहे रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के हानिकारक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला गया तथा खाद्यान्नों की गुणवत्ता बढ़ाने और स्वास्थ्यवर्द्धक एलोवेरा, अश्वगंधा और शतावरी आदि औषधीय पौधों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा और प्रो. डॉ. ए. नीलिमा, विभागाध्यक्ष प्रसूति तन्त्र विभाग, प्रो. चंदन सिंह, विभागाध्यक्ष, द्रव्यगुण विभाग, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. राजेंद्र पूर्विया, डॉ.

मनोज अदलखा, डॉ. आशा के.पी., असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र पुरोहित, डॉ. हेमन्त मेनारिया सहित बड़ी संख्या में विभागाध्यक्ष, शिक्षक, स्नातकोत्तर विद्वान उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश शर्मा एवं डॉ. आशा के.पी. द्वारा किया गया।

फ्रांसीसी पर्यटकों ने जानी पंचकर्म की विशेषता

फ्रांस से आए 18 विदेशी मेहमानों ने विश्वविद्यालय में दिनांक 14 अक्टूबर को पंचकर्म एक्सीलेंस सेंटर, आयुर्वेद फार्मेसी, हर्बल गार्डन, सेंट्रल लाइब्रेरी का दौरा किया और आयुर्वेद विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा और द्रव्यगुण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर चंदन सिंह ने विदेशी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और उन्हें शिरोधारा जैसी विभिन्न पंचकर्म प्रक्रियाओं से परिचित कराया। रोगियों पर व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ कटि बस्ति, जानु धारा, जानु बस्ति, पत्र पोट्टली स्वेदन, नस्य कर्म, अभ्यंग, वाष्प स्वेदन, सोना स्नान, स्वेदन, अवगाहन आदि के बारे में सभी प्रतिनिधियों को बताया गया। उन्होंने बताया कि पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से शरीर से रोगों एवं दोषों को बाहर निकालकर शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार किया जाता है। पंचकर्म चिकित्सा के माध्यम से मानसिक तनाव को कम किया जा सकता है जिससे मानसिक शांति और सद्भाव में सुधार हो सकता है। यह थैरेपी असंतुलित दोषों में होमियोस्टैसिस(संतुलन) स्थापित करती है और बीमारी को जड़ से खत्म कर देती है।

रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग में किया गया रस कर्पूर औषधि का निर्माण

विश्वविद्यालय के रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग में दिनांक 14 अक्टूबर को महत्वपूर्ण कूपीपक्व औषधि रस कर्पूर का निर्माण किया गया। इस औषध कल्पना के निर्माण करने की प्रक्रिया जटिल होने के कारण देश भर में स्थित रसायन शाला एवं कॉलेजों में इसका बहुत ही कम निर्माण देखने को मिलता है। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने अपने निर्देशन में जामनगर स्थित आयुर्वेद विश्वविद्यालय में रसकर्पूर पर व्यापक कार्य करवाया। जिसके मोनोग्राफ का भी प्रकाशन हुआ, उसी को आधार मानते हुए प्रो. प्रजापति के निर्देशन में रस शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गोविंद शुक्ल, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजाराम अग्रवाल एवं डॉ. मनीषा गोयल, सहायक प्रोफेसर डॉ. संगीता एवं डॉ. रवि प्रताप सिंह ने शास्त्रीय विधि से रस कर्पूर कूपीपक्व कल्पना का निर्माण प्रारंभ किया। निर्माण प्रक्रिया में स्नातकोत्तर शोध अध्येताओं का विशेष योगदान रहा। इस कल्पना के निर्माण में लगभग 18 से 20 घंटे का समय लगा।

यह औषधि लगभग दो से चार मिलीग्राम तक लेने का विधान है। यह विभिन्न प्रकार के त्वचा रोग, मधुमेह एवं कैंसर जैसे विकारों में होने वाले घाव में बहुत ही प्रभावी और शीघ्र लाभकारी है। इस विशेष औषधि के व्यापक प्रयोग के लिए प्रथम चरण में क्लिनिकल ट्रायल करने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है, जिससे इस महत्वपूर्ण औषधि के निर्माण एवं प्रयोग को मानकीकृत किया जा सकेगा।

शारदीय विरेचन कर्म शिविर का उदघाटन

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 16 अक्टूबर को शारदीय विरेचन कर्म शिविर का उद्घाटन किया। शारदीय विरेचन कर्म की शुरुआत राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर मनाए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा की देखरेख में पी.जी. पंचकर्म विभाग द्वारा की गई। प्रो. प्रजापति ने अपने संबोधन में

शुद्धिकरण के साथ–साथ शरद ऋतु में होने वाले पित्त संबंधी विकारों के उपचार के लिए विरेचन कर्म के महत्व पर जोर दिया। पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने शरद ऋतु में ऋतु संधि के महत्व के बारे में जानकारी दी। पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा, चिकित्सालय अधीक्षक, संजीवनी आयुर्वेद अस्पताल, प्रो. प्रेमप्रकाश व्यास, डीन रिसर्च, प्रो. चंदन सिंह, विभागाध्यक्ष, द्रव्यगुण विभाग, प्रो. महेश कुमार शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष पंचकर्म विभाग, डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा विभागाध्यक्ष स्वस्थवृत्त विभाग, डॉ. विष्णुदत्त शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. संजय श्रीवास्तव एसोसिएट प्रोफेसर शल्यतंत्र विभाग, डॉ. दिनेश कुमार राय, प्राचार्य आयुर्वेद बीएससी नर्सिंग कॉलेज, डॉ. विजयपाल त्यागी, निदेशक, रसायनशाला, डॉ. मनोज अदलखा, एसोसिएट प्रोफेसर द्रव्यगुण विभाग, डॉ. हरीश कुमार सिंघल एसोसिएट प्रोफेसर एवं आईटी प्रभारी, पंचकर्म विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित और सभी स्नातकोतर अध्येता उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. मानवी यादव ने किया।

एक दिवसीय महिला स्वास्थ्य जांच एवं जागरुकता शिविर का आयोजन

स्नातकोत्तर प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग एवं सपना इंटरप्राइजेज, बाबड़ी ग्राम के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 16 अक्टूबर को एक दिवसीय महिला स्वास्थ्य जांच एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा किया गया। उन्होंने अपने भाषण में परिवार के स्वास्थ्य के रखरखाव में महिलाओं की भूमिका, उनकी स्वास्थ्य जागरुकता और स्वयं और परिवार के लिए विभिन्न बीमारियों से बचाव के पहलुओं पर जोर दिया। चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि शिविर में लगभग 131 महिलाओं को आयुर्वेद औषधियों के साथ निःशुल्क परामर्श दिया गया। इस शिविर में डॉ. रश्मि शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर स्नातकोतर प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग और उनकी टीम ने अपनी सेवाएं दीं।

स्वस्थवृत्त विभाग द्वारा विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में स्नातकोतर स्वस्थवृत्त विभाग ने दिनांक 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। श्री किशनाराम कड़वासरा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, जैसलमेर ने स्वच्छ एवं शुद्ध आहार विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने शुद्ध एवं स्वच्छ भोजन के सेवन के फायदे बताये। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हमारे खाद्य पदार्थों में मिलावट को कैसे पहचाना जाए और उनकी रोकथाम कैसे की जाए। इस अवसर पर डॉ. विजयपाल त्यागी निदेशक, नागार्जुन फार्मेसी, डॉ. हरीश कुमार सिंघल, आईटी प्रभारी, डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर, क्रिया शारीर विभाग, डॉ. मनोज अदलखा, एसोसिएट प्रोफेसर, द्रव्यगुण विभाग, डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन स्वस्थवृत्त विभाग के संकाय सदस्य एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. गजेंद्र दुबे, सहायक प्रोफेसर डॉ. हेमंत राजपुरोहित, डॉ.प्रियंका इनानिया, डॉ. अवधेश और स्नातकोतर अध्येताओं द्वारा किया गया।

रस शास्त्र विभाग के अध्येताओं का कृष्णगोपाल कालेडा फार्मेसी का दौरा

स्नातकोतर रस शास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजाराम अग्रवाल और डॉ. मनीषा गोयल की देखरेख में

विभाग के अध्येताओं ने कृष्ण गोपाल कालेडा फार्मेसी का दिनांक 16 अक्टूबर को अवलोकन किया। इस यात्रा के दौरान स्नातकोत्तर अध्येताओं ने विभिन्न प्रकार के पुट, उपकरण, मशीनें, दवा की पैकेजिंग और बड़े पैमाने पर विभिन्न आयुर्वेद चिकित्सा की तैयारी और मानकीकरण को देखा।

पंचकर्म विभाग में शारदीय विरेचन कर्म कार्यक्रम के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस–2023 समारोह के अन्तर्गत मासपर्यन्त आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में माननीय कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मुख्य–आतिथ्य में स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग द्वारा दिनांक 17 अक्टूबर को शारदीय विरेचन कर्म के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अन्तिम वर्ष स्नातक अध्येताओं की वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य, रक्तमोक्षण नामक पांच टीमों के बीच प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विरेचन टीम प्रथम स्थान एवं रक्तमोक्षण टीम द्वितीय स्थान पर रही। कार्यक्रम में पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा, सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित एवं अन्य संकाय सदस्यों सहित स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे।

स्नातकोत्तर प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

स्नातकोत्तर प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा आयुर्वेद दिवस समारोह 2023 के उपलक्ष्य में छात्र–छात्राओं के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 17 अक्टूबर को किया गया। प्रतियोगिता का विषय महिला प्रजननावस्थागत स्वास्थ्य था। इस कार्यक्रम में कुल 14 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। जिनमें महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य और इसकी रोकथाम के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया गया था। प्रतियोगिता के निर्णायक प्रो. (डॉ.) गोविंद सहाय शुक्ल, पूर्व प्राचार्य, डॉ. मनीषा गोयल एसोसिएट प्रोफेसर, रसशास्त्र विभाग और डॉ. निकिता पंवार, सहायक प्रोफेसर द्रव्यगुण विभाग थे। कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने इस अवसर पर सभी छात्रों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने समय पर पोषण के महत्व पर जोर दिया और आसपास के क्षेत्रों में महिलाओं के बीच स्वच्छता के बारे में जागरुकता बढ़ाने हेतु प्रेरित किया जिससे महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को रोकने में मदद मिल सकती है। इस मौके पर विभागाध्यक्ष प्रो. ए. नीलिमा और डीन रिसर्च प्रो. प्रेमप्रकाश सहित अन्य संकाय सदस्यों ने इस आयोजन में सक्रिय रूप से सहयोग दिया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ. मनोज अदलखा, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संगीता चाहर, डॉ. हेमन्त मेनारिया सहित अन्य फैकल्टी मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ए. नीलिमा द्वारा किया गया तथा संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दिनेश शर्मा, डॉ. आशा के.पी. द्वारा किया गया। प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग विभाग के स्नातकोत्तर अध्येताओं का भी सहयोग रहा।

विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय इन्स्टीट्यूशनल रिसर्च कमेटी की बैठक आयोजित

विश्वविद्यालय में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की इन्स्टीट्यूशनल रिसर्च कमेटी की तीन दिवसीय मीटिंग का आयोजन दिनांक 17 से 19 अक्टूबर को हुआ। मीटिंग के दूसरे दिन विशिष्ट अतिथि तथा विषय विशेषज्ञ के रूप में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के शोध सलाहकार एवं आई सी. एम. आर. नई दिल्ली के पूर्व उप–निदेशक डॉ. अनिल कुमार द्वारा ''बेसिक्स ऑफ मेडिकल स्टेटिस्टिक्स'' पर विशेष व्याख्यान

आयोजित किया गया। डॉ. कुमार ने अपने सम्बोधन में शोधकार्य में मीन, मीडियन, मोड एवं बायो स्टेटिस्टिक्स के अन्य सामान्य सिद्धांतों की महत्ता का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर ने गणना को सुगम बनाया है किन्तु सांख्यिकी गणना के लिए कप्यूटर पर निर्भर न रहते हुए इन सांख्यिकीय सिद्धान्तों की समझ होना भी आवश्यक है। रिसर्च कमेटी के चेयरमेन प्रो. महेंद्र शर्मा ने बताया कि तीन दिवसीय मीटिंग में पी.जी.आई.ए.के स्नातकोतर विभागों के एम.डी., एम. एस. प्रथम भाग के अध्येताओं द्वारा शोध कार्य प्रस्ताव प्रस्तुत किये गए तथा विषय विशेषज्ञ तथा पदेन सदस्य समस्त विभागाध्यक्षों के द्वारा प्रत्येक का गुणवता परीक्षण किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा तथा डॉ. हरीश सिंघल ने किया। उक्त अवसर पर डीन रिसर्च प्रो. प्रेमप्रकाश व्यास, डीन अकादमिक प्रो. राजेश कुमार शर्मा, पूर्व प्राचार्य प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल, प्रो. चन्दन सिंह, प्रो. ए नीलिमा रे ाी, प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, डॉ. दिनेश राय, डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, डॉ. देवेंद्र चाहर, डॉ.ब्रह्मानंद शर्मा, डॉ. राजाराम अग्रवाल, डॉ. विजयपाल त्यागी आदि संकाय सदस्य तथा स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे।

बीएमडी जांच शिविर आयोजित

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस–2023 समारोह के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्नातकोत्तर काय चिकित्सा विभाग की ओर से निःशुल्क बीएमडी जांच शिविर का आयोजन दिनांक 20 अक्टूबर को हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि हड्डियों में कैल्शियम की कमी से महिलाओं में से हड्डियां कमजोर होती है। इस हेतु आयुर्वेदीय पथ्य आहार विहार लेने के साथ रोज 20 मिनट तक धूप जरूर लें तथा 30 मिनट की ब्रिस्क वाकिंग करनी चाहिए। पीजीआईए के निदेशक प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने बताया किं हड्डियों को मजबूत करने के लिए आयुर्वेदीय पथ्य आहार–विहार के साथ रोज योग–प्राणायाम तथा धूप सेवन करना जरूरी है। चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि हड्डियों में कैल्शियम की कमी से होने वाले ऑस्टियोपोरोसिस के रोगियों में मांसपेशियों में दर्द, जोड़ों में जकड़न तथा फ्रेक्चर होने की आशंका अधिक होती है। पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा ने बताया कि हड्डियों में कैल्शियम की कमी के कारण महिलाओं में मीनोपॉज के बाद ऑस्टियोपोरोसिस के कारण कलाई, रीढ़ और हिप्स के फ्रेक्चर सर्वाधिक होते है। इस हेतु विटामिन डी, केल्शियम की मात्रा भोजन में बढ़ानी चाहिए । शिविर में हड्डियों में कैल्शियम की जांच, हड्डियों के घनत्व की. निःशुल्क जांच कर 135 आमजन एवं रोगियों ने निःशुल्क औषधि प्राप्त की। कार्यक्रम में डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा, डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, डॉ. रश्मि शर्मा, डॉ. श्योराम शर्मा, डॉ. मोनिका वर्मा, डॉ. प्रियंका इणानिया, डॉ. नवनीत दाधीच, डॉ. दिलीप व्यास, डॉ. राजीव सोनी, डॉ. अचलाराम, डॉ. गौरीशंकर सहित कायचिकित्सा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. भानुप्रिया चौधरी, डॉ. नीतू शर्मा, डॉ. आयुषी भास्कर, डॉ. दिव्या सिंह चारण एवं समस्त पीजी अध्येता उपस्थित रहे।

स्नातकोतर रस शास्त्र एवं भैशज्य कल्पना विभाग द्वारा फूड फेस्टिवल का आयोजन

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 2023 की श्रृंखला में रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग, पीजीआईए, जोधपुर द्वारा फूड फेस्टिवल का आयोजन दिनांक 26 अक्टूबर को किया गया। इस खाद्य उत्सव का उद्घाटन कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति और प्रोफेसर कमलेश कुमार शर्मा प्रो वाइस चांसलर ज्योति विद्यापीठ विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा किया गया। इस फूड फेस्टिवल में मिलेट्स व्यंजनों के अन्तर्गत बाजरे पर आधारित बहुत सारे व्यंजन जैसे बिस्कुट, विभिन्न प्रकार के खारे, लड्डू, इडली, अमृता चाय, सूप, सौंदर्य उत्पाद जैसे फेस पैक, क्रीम, इत्र, माउथ फ्रेशनर आदि को बहुत ही उत्कृष्ट रूप में प्रस्तुत किया गया। इस पूरे फूड फेस्टिवल का आयोजन प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल विभागाध्यक्ष के नेतृत्व में स्नातकोत्तर रस शास्त्र विभाग, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजाराम अग्रवाल, डॉ. मनीषा गोयल, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. संगीता इंदौरिया, डॉ. रवि प्रताप सिंह द्वारां किया गया। इस अवसर पर प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा प्राचार्य पीजीआईए, प्रो. प्रेमप्रकाश व्यास, डीन रिसर्च, प्रो. राजेश कुमार शर्मा, डीन एकेडमिक, प्रो. चंदन सिंह, विभागाध्यक्ष द्रव्यगुण, प्रो. गोविंद

प्रसाद गुप्ता, विभागाध्यक्ष, रोग निदान, प्रो. राजेश गुप्ता, विभागाध्यक्ष, शल्य तंत्र, प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा, विभागाध्यक्ष, कायचिकित्सा विभाग, डॉ. देवेन्द्र चाहर, विभागाध्यक्ष, मौलिक सिद्धांत विभाग, डॉ. रितु कपूर विभागाध्यक्ष, अगद तंत्र, डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, विभागाध्यक्ष, स्वास्थ्यवृत्त, डॉ. राकेश शर्मा निदेशक, सीएचआरडी, डॉ. विजयपाल त्यागी निदेशक, रसायनशाला, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ हरीश कुमार सिंघल, डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, डॉ मनोज अदलखा सहित अनेक संकाय सदस्य एवं स्नातकोतर अध्येता उपस्थित रहे।

आईईसी की तीन दिवसीय बैठक आयोजित

विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के शोध प्रस्तावों के परीक्षण के लिए इन्स्टीट्यूशनल इथिकल कमेटी (आईईसी) की तीन दिवसीय मीटिंग का गुरुवार दिनांक 26 अक्टूबर को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मुख्य आतिथ्य में शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. प्रजापति ने कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर उच्च गुणवत्तायुक्त शोधकार्य संपादित करने के लिए शोधार्थियों को रिसर्च के साथ एथिकल मूल्यों के नवीनतम प्रोटोकॉल के प्रति सजग होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शोधकार्यों की योजना में सामाजिक, मनोवैज्ञानिक एवं विधिक पक्षों का अत्यधिक महत्त्व है। एथिकल कमेटी के चेयरमैन तथा ज्योति विद्यापीठ महिला विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो वाईस चांसलर प्रो. कमलेश कुमार शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद यद्यपि प्राचीनकाल से समाज की स्वास्थ्य सेवा में परंपरा से योगदान कर रहा है तथापि इसकी समकालिक स्वीकार्यता के लिए वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग के आधार पर आयुर्वेदीय सिद्धांतों एवं औषधियों की कार्मुकता को अधिक प्रभावी तरीके से शोधकार्यों के माध्यम से पुनः सिद्ध किया जाना आवश्यक है। इस मीटिंग में पीजीआईए के समस्त स्नातकोत्तर विभागों के एमडी, एमएस (आयुर्वेद) प्रथम पार्ट के शोध कार्य प्रस्ताव एथिक्स कमेटी के समक्ष प्रस्तुत किए गए। एथिक्स कमेटी के द्वारा उक्त प्रस्तावों का रिसर्च प्रोटोकॉल के एथिकल पक्ष के आधार पर परीक्षण किया गया तथा आवश्यक संशोधनात्मक सुझाव दिए गए।

जीवनशैली जन्य विकारों के प्रबंधन में संहितोक्त श्रीधान्यम् (बाजरा) की महति भूमिका

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने श्रीआयुर्वेद महाविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी जीवन शैली विकारों की रोकथाम और प्रबंधन में संहितोक्त श्रीधान्यम (बाजरा) की भूमिका के बारे में दिनांक 28 अक्टूबर को मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में कहा कि आयुर्वेद में वर्णित विभिन्न प्रकार के श्रीधान्य का उपयोग स्वस्थ एवं रोगी दोनों ही स्थितियों में बहुत उपयोगी है। ऋतु अनुसार सेवन करने पर मिलेट्स अत्यन्त स्वास्थ्यवर्धक है। आयुर्वेद के आचार्यो ने पथ्यापथ्य के अनुसार इनके अनेक प्रयोगों का वर्णन किया है। प्रो. प्रजापति ने आगे कहा कि मिलेट्स की खेती पर्यावरण हितैषी होने के साथ साथ इनका उत्पादन वैश्विक परिदृश्य में भारत की अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकता है। इस अवसर पर भारतभर से प्रमुख गणमान्य आयुर्वेद विद्वान उपस्थित थे। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन प्रो. विनोद एम. चौधरी, श्री आयुर्वेद महाविद्यालय नागपुर, रचना शारीर विभाग द्वारा लिखी पुस्तक का विमोचन कुलपति के करकमलों द्वारा किया गया।

शल्य तंत्र विभाग द्वारा Awareness of First Aid विषय पर व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 28.10.2023 को माननीय कुलपति महोदय प्रो. (वैद्य)

प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग द्वारा आयुर्वेद दिवस पर हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद थीम के अन्तर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, करवड़ में Awareness of First Aid पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। शिविर में सहायक आचार्य डॉ.एकता द्वारा विद्यार्थियों को आयुर्वेद में शल्य शास्त्र का सामान्य ज्ञान एवं दुर्घटना के समय या पानी में डूबने पर तथा सर्पदंश, हड्डी टूटने पर हमें क्या क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए एवं किस प्रकार से रोगी को फर्स्ट एड चिकित्सा की जा सकती है और उसे कैसे नजदीकी चिकित्सालय पहुँचाया जा सके, इसके बारे में व्याख्यान दिया गया। शिविर में विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ राजेश कुमार गुप्ता, सह. आचार्य डॉ विष्णुदत्त शर्मा उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय द्वारा शिविर में व्यवस्था करवाने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोविन्द सिंह जी उदावत, श्री भारत सिंह राठौड़ व उपस्थित अन्य आमजन का आभार व्यक्त किया गया।

क्लिनिकल प्रैक्टिस में त्रिसूत्र की पहचान विषय पर अतिथि व्याख्यान

डॉ. भूपेश पटेल एसोसिएट प्रोफेसर द्रव्यगुण विभाग, आईटीआरए जामनगर ने क्लिनिकल प्रैक्टिस में त्रिसूत्र की पहचान विषय पर दिनांक 28 अक्टूबर को अतिथि व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रो. कमलेश कुमार शर्मा प्रो वाईस चांसलर, ज्योति विद्यापीठ विश्वविद्यालय जयपुर, प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा प्राचार्य पीजीआईए, प्रो. चंदन सिंह विभागाध्यक्ष द्रव्यगुण विभाग, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता विभागाध्यक्ष, शल्य तंत्र, परीक्षा नियन्त्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. देवेन्द्र चाहर, डॉ. दिनेश चन्द्र शर्मा, डॉ. हरीश कुमार सिंघल, डॉ. मनोज अदलखा, डॉ. दिनेश कुमार राय एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

आयुर्वेद विवि में शोधपत्र लेखन विषयक छः दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केन्द्र के तत्त्वावधान में शोध–पत्र लेखन विशयक छः दिवसीय राश्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ दिनांक 30.10.2023 को हुआ। कार्यशाला के उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि गुजरात आयुर्वेद विवि जामनगर के पूर्व कुलपति प्रो. एस. एस. सावरीकर ने बताया कि शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन के लिए शोध अध्येताओं को शोध पत्र लेखन पद्धति के वैज्ञानिक नियमों का ज्ञान होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शोध पत्र लेखन करते समय शोधकर्त्ता को शोध विषय के ज्ञान के साथ साथ शोध पत्र लिखने के समस्त प्रोटोकॉल का भी ज्ञान होना चाहिए। प्रो. सावरीकर ने कहा कि आयुर्वेद के शोध पत्र आज दुनिया के श्रेष्ठ शोध जर्नल्स में प्रकाशित हो रहे हैं। इससे आयुर्वेद का ज्ञान विश्व में प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध पत्र लिखने के लिए शोधकर्त्ता को विषय को सारगर्भित करते हुए डाटा, विमर्श एवं निष्कर्श का स्पष्ट भाषा में निरूपण करना चाहिए। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से विषय विशेषज्ञ डॉ. रोहित शर्मा ने अपने प्रेजेंटेशन में शोध कार्य के प्रकाशन के विभिन्न चरणों एवं प्रोटोकॉल के बारे में प्रचलित वैज्ञानिक सिद्धान्तों के बारे में विस्तार से बताया। पीजीआईए प्राचार्य प्रो. महेन्द्र शर्मा ने भी इस अवसर पर अपना उदबोधन दिया। मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक एवं इस कार्यशाला के आयोजन अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण करते हुए बताया कि 6 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में विख्यात आयुर्वेदज्ञ, गुजरात आयुर्वेद विवि जामनगर के पूर्व कुलपति प्रो. एस. एस. सावरीकर, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नई दिल्ली के रिसर्च एडवाइजर डॉ. अनिल कुमार, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के डॉ. रोहित शर्मा एवं आईआईटी जोधपुर में बायो सांइसेज एंड बायो इंजीनियरिंग विभाग की प्रो. सुश्मिता झा द्वारा विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों मे शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन विधि विषयक विभिन्न पहलुओं पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे।

कार्यशाला का समापन दिनांक 4 नवम्बर 2023 को हुआ इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि शोध प्रोटोकॉल के साथ शोध पत्र लिखकर और उन्हें प्रसिद्ध प्रसिद्ध पत्रिकाओं में प्रकाशित करके आयुर्वेद के वैज्ञानिक पहलू को लगातार समृद्ध किया जा सकता है। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध आयुर्वेद विशेषज्ञ एवं गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर के पूर्व कुलपति प्रो. एस.एस. सावरीकर ने कहा कि शोध कार्यों में विभिन्न प्रकार के शोध के दिशानिर्देशों का पालन करके आयुर्वेद में शोध को उच्च स्तरीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किया जा सकता है।

मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक एवं इस कार्यशाला के आयोजन अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि इस छह दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में 337 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया तथा सोशल मीडिया पर आयोजित व्याख्यान एवं वैज्ञानिक सत्रों में देश भर से लगभग 2000 लोगों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के सुश्रुत सभागार में आयोजित विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों में शोध पत्र लेखन एवं प्रकाशन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर व्याख्यान दिये गये। कार्यशाला में, आई.सी.एम.आर. नई दिल्ली के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के शोध सलाहकार डॉ. अनिल कुमार, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के डॉ. रोहित शर्मा और आईआईटी जोधपुर में बायो साइंसेज और बायो इंजीनियरिंग विभाग की प्रोफेसर सुष्मिता झा ने विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों में शोध पत्र लेखन और प्रकाशन विधियों के विभिन्न पहलुओं पर अतिथि व्याख्यान दिया। कार्यशाला में दो दिवसीय प्रायोगिक सत्र भी आयोजन हुए।

इसी अवसर पर 4 नवम्बर 2024 को कार्यशाला के समापन समारोह में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के कार्यकाल का एक वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा उनका भावभीना अभिनन्दन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन रेजिडेंट डॉ. साक्षी एवं डॉ. खुशबू ने किया तथा अन्त में आयोजन सचिव डॉ. मनीषा गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस कार्यशाला में आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, आयोजन सचिव डॉ. मनीषा गोयल, डॉ. हेमन्त कुमार, आयोजन सह सचिव डॉ. रवि प्रताप सिंह, डॉ. हेमन्त राजपुरोहित, आयोजन समन्वयक डॉ. रमेश कस्वा, डॉ. हेमेंद्र वर्मा, कार्यक्रम सह संयोजक स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. खुशबू शर्मा, डॉ. कंचन शर्मा, डॉ. अभिषेक शर्मा, डॉ. नीलम धाभाई, डॉ. प्रकृति पंवार, डॉ. साधना शर्मा, डॉ. साक्षी भटनागर, डॉ. धर्मेन्द्र, डॉ. संजय, डॉ. हेमन्त, डॉ. जागृति ने अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

स्नातकोतर काय चिकित्सा विभाग में स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद विषय पर पोस्टर प्रदर्शन

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस–2023 समारोह के अन्तर्गत मासपर्यन्त आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्नातकोत्तर कायचिकित्सा विभाग द्वारा दिनांक 30 अक्टूबर को स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका अवलोकन कुलपति प्रो. डॉ. प्रदीप कुमार प्रजापति, पूर्व कुलपति जामनगर प्रो. एस. एस. सावरीकर, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. रोहित शर्मा, प्राचार्य पीजीआईए प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, पूर्व प्राचार्य प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, डीन रिसर्च प्रो. प्रेमप्रकाश व्यास, मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक डॉ. राकेश शर्मा सहित अनेक संकाय सदस्यों ने किया। प्रदर्शनी का परिचय देते हुए कायचिकित्सा विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया की वर्तमान में मानसिक तनाव और आधुनिक जीवनशैली से होने वाले बीमारियों से बचाव के लिए आयुर्वेद में बताये गए आहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या, मानसिक स्वास्थ्य एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ज़रूरी विषयों पर छात्रों द्वारा पोस्टर प्रदर्शित किये गए। सह आचार्य डॉ.

ब्रह्मानन्द शर्मा ने बताया की इस तरह के आयोजनों से छात्रों में विषय की गहरी समझ विकसित होती है। कायचिकित्सा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भानुप्रिया चौधरी, डॉ. नीतू शर्मा, डॉ. आयुषी भास्कर, डॉ. दिव्या सिंह चारण एवं समस्त पीजी अध्येताओं ने आयोजन में मनोयोगपूर्वक सहयोग किया ।

अतिथि व्याख्यान का आयोजन

स्नातकोत्तर रचना शारीर विभाग द्वारा आयुर्वेद दिवस के अन्तर्गत हर दिन हर किसी के लिए आयुर्वेद थीम पर दिनांक 02 नवम्बर 2023 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, करवड़ में शरीर रचना से सम्बन्धित जागरुकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। सह आचार्य डॉ श्योराम शर्मा ,सहायक आचार्य डॉ नवनीत दाधीच एवं सहायक आचार्य डॉ अमित गहलोत द्वारा विद्यार्थियों को आयुर्वेद में 'मानव शरीर रचना का सामान्य ज्ञान' के बारे में जानकारी दी गयी। विश्वविद्यालय की टीम ने शिविर में विभिन्न व्यवस्थाओं हेतु विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोविन्द सिंह जी उदावत, श्री भारत सिंह राठौड़ व उपस्थित अन्य आमजन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संचालन में पी जी स्कालर डॉ मुकेश माहिच, डॉ राखी, डॉ कंचन, डॉ खुशबू ने सहयोग किया।

वेटरिनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुलपति मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने इंडियन सोसाइटी ऑफ वेटरनरी फार्माकोलॉजी एंड टॉक्सिकोलॉजी के तेईसवें वार्षिक सम्मेलन के अन्तर्गत 02 नवम्बर 2023 को **'एकीकृत पशु स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के अवसर और चुनौतियां और फार्माकोलॉजिस्ट के लिए नए अवसर'** विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के पशु चिकित्सा औषध विज्ञान और विष विज्ञान विभाग द्वारा उक्त संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर कुलपति ने एक ''पुस्तक सारसंग्रह'' का विमोचन भी किया।

रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 3 नवम्बर 2023 को पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीटयूट ऑफ आयुर्वेद के स्नातकोत्तर क्रिया शरीर विभाग द्वारा 'मिलेटस का महत्व' विषय पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 40 प्रतिभागी छात्रों की 7 टीमों ने भाग लिया। इसमें स्नातकोत्तर क्रिया शरीर अध्येता एवं इन सर्विस स्नातकोत्तर अध्येता संयुक्त रूप से प्रथम, स्नातक बैच–2023 की रश्मि एवं समूह द्वितीय एवं स्नातक बैच–2023 की पारुल एवं समूह तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में क्रिया शारीर विभागाध्यक्ष प्रो राजेश कुमार शर्मा, द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष प्रो चंदन सिह, आयुर्वेद दिवस समन्वयक डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ. अंकिता चौधरी, डॉ. पूजा पारीक उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं अन्य स्नातकोत्तर एवं स्नातक विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

'स्वास्थ्य संवर्धन' विषय पर व्याख्यान आयोजित

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, घड़ाव में 'स्वास्थ्य संवर्धन' के लिए 04 नवम्बर 2023 को व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें कौमारभृत्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पी. पी. व्यास ने बच्चों को विभिन्न रोगों की रोकथाम और विभिन्न मौसमी बीमारियों से सुरक्षा की जानकारी के बारे में व्याख्यान दिया। इसी श्रृंखला में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हरीश कुमार सिंघल ने बच्चों से बातचीत की और उनसे दिनचर्या, ऋतुचर्या, संतुलित आहार के लाभों पर चर्चा की और बच्चों को खेल और योग के लिए प्रेरित किया।

इस शिविर में 106 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा बच्चों को खांसी, जुकाम, नजला तथा बुखार के लिए निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। अंत में सहायक प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार यादव ने विभिन्न व्यवस्थाओं हेतु विद्यालय के प्राचार्य श्री चेतन राम, मोहन सिंह, राकेश ओझा, पूसाराम, सीमा शर्मा का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस–2023 समारोह के अंतर्गत माह भर आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की शृंखला में दिनांक 4 नवम्बर को विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर अगद तंत्र विभाग द्वारा मंडोर गार्डन में हर दिन सभी के लिए आयुर्वेद विषय के अन्तर्गत जन सामान्य को नशा मुक्ति जागरुकता हेतु नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, विभागाध्यक्ष ऋतु कपूर सहित अनेक संकाय सदस्य एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

स्पोर्ट्स मेडिसिन थेरेपी और मर्म चिकित्सा विषयक कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स मेडिसिन थेरेपी और मर्म चिकित्सा विषयक कार्यशाला का आयोजन 6 नवम्बर को विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र और स्नातकोत्तर रचना शरीर विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यशाला में चेन्नई से आये हुए देश के ख्यातनाम स्पोर्ट्स मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. धर्मेश कुबेंदीरन ने स्पोर्ट्स मेडिसिन थेरेपी की विशिष्ट वैज्ञानिक विधियों के बारे में विशेषज्ञ व्याख्यान एवं हँड्स ऑन ट्रेनिंग के माध्यम से प्रशिक्षण दिया।

बीएलएस (बेसिक लाइफ सपोर्ट) की जानकारी के सम्बन्ध में नाटक का आयोजन

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस–2023 समारोह की श्रृंखला में विश्वविद्यालय परिसर में स्थित संजीवनी आयुर्वेद अस्पताल में बीएलएस (बेसिक लाइफ सपोर्ट) की जानकारी हेतु एक नाटक का मंचन किया गया। नाटक में बताया गया कि आपातकाल के समय मरीज की रक्षा हेतु सीपीआर के साथ–साथ और क्या–2 करना चाहिए।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि सीपीआर तकनीक एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे किसी भी कारण से बेहोश हुआ व्यक्ति अपनी जिंदगी वापस पा सकता है। इस प्रक्रिया को करने के लिए किसी डॉक्टर की आवश्यकता नहीं होती है। यह प्रक्रिया देश के सभी नागरिकों को पता होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि हर घर के प्रत्येक व्यक्ति को सीपीआर तकनीक की जानकारी होनी चाहिए ताकि जरूरत पड़ने पर सही समय पर किसी व्यक्ति की जान बचाई जा सके, साथ ही इस मौके पर कुलपति ने पैरा सर्जिकल प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

कार्यक्रम में चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा, प्रो. राजेश गुप्ता, एचओडी शल्यतंत्र, डॉ. विष्णु दत्त शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर और समन्वयक, डॉ. एकता, सहायक प्रोफेसर, डॉ. राजीव सोनी, सहायक प्रोफेसर, डॉ. प्रवीण, सहायक प्रोफेसर, डॉ. नीतू, सहायक प्रोफेसर, स्नातकोत्तर अध्येता, स्नातक छात्र , समस्त नर्सिंग स्टाफ एवं हॉस्पिटल कर्मचारी उपस्थित रहे।

संगीतमय योग की प्रस्तुति एवं नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 2023 समारोह के तहत पूरे माह आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की शृंखला में मंडोर गार्डन में स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग, पीजीआईए के पीजी अध्येताओं द्वारा 6 नवंबर 2023 को संगीतमय योग की अद्भुत प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में मोटापा, उच्च रक्तचाप, हाइपोथायरायडिज्म, मधुमेह जैसी विभिन्न जीवनशैली से संबंधित बीमारियों की रोकथाम में किये जा सकने वाले योगासनों और प्राणायाम का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. रोहित शर्मा, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली के अनुसंधान सलाहकार डॉ. अनिल कुमार, प्राचार्य प्रो. महेन्द्र शर्मा, एचओडी स्वास्थ्यवृत्त एवं योग डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, मौलिक सिद्धांत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र चाहर, अगद तंत्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ऋतु कपूर, डॉ. दिनेश शर्मा, डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. आशा केपी, डॉ. गजेन्द्र दुबे, डॉ. .हेमंत राजपुरोहित, डॉ.अवधेश शांडिल्य मौजूद रहे।

व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 07 नवम्बर 2023 राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर शरीर पीजी विभाग के एचओडी एवं डीन एकेडमिक प्रो. राजेश कुमार शर्मा द्वारा शरद ऋतु में दोषों का कारण, प्रभाव और महत्त्व विषयक व्याख्यान का आयोजन दिया गया। व्याख्यान में प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला पूर्व प्राचार्य, प्रो. राजेश कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष, शल्य तंत्र, डॉ. राकेश कुमार शर्मा, निदेशक सीएचआरडी, प्रो नीलिमा रेड्डी, विभागाध्यक्ष, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग, डॉ. अंकिता चौधरी, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. पूजा पारीक, सहायक प्रोफेसर एवं अन्य विभागों के शिक्षक एवं स्नातकोत्तर एवं स्नातकोत्तर के अध्येतागण उपस्थित थे। अंत में समन्वयक एसो. प्रोफेसर डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने मुख्य वक्ता एवं उपस्थित सभी शिक्षकों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

आचार्य नागार्जुन पुरस्कार' से सम्मानित

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने जनकपुर, मधेश प्रदेश, नेपाल में वैश्विक कल्याण के लिए आयुर्वेद विषय पर आयोजित स्वास्थ्य 2023–अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 8 नवम्बर 2023 को भाग लिया। प्रो. प्रजापति ने सम्मेलन के वैज्ञानिक सत्र में आयुर्वेद के वैश्वीकरण की संभावना विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में एक व्याख्यान दिया। सम्मेलन में आयुर्वेद–रस शास्त्र और भैषज्य कल्पना के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति 'प्रो. माधव सिंह बघेल की स्मृति में' 'आचार्य नागार्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस–2023 समारोह के तहत पूरे माह आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में शालाक्य तंत्र विभाग द्वारा 8 नवम्बर 2023 को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इसमें 2019 बैच के स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के बीच ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम से पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने शालाक्य तंत्र से संबंधित आधुनिक एवं प्राचीन विषयों को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजेंद्र प्रसाद पूर्विया, असिस्टेंट

प्रोफेसर डॉ. दिलीप व्यास, डॉ. अचलाराम कुमावत व डॉ. निकिता पंवार ने की। कार्यक्रम शालाक्य तंत्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजीव सोनी व डॉ. प्रेम कुमार की नेतृत्व में आयोजित हुआ।

NIFT में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

स्वस्थवृत्त विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सौरभ अग्रवाल और प्रसूति तन्त्र एवं स्त्री रोग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आशा केपी ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, जोधपुर में 8 नवम्बर को अतिथि व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में निफ्ट के निदेशक प्रो. जी.एच.एस. प्रसाद, विभागाध्यक्ष, शिक्षण संकाय, कर्मचारी और छात्र उपस्थित रहे। अतिथि व्याख्यान के बाद आहार संबंधी अच्छी आदतों और महिलाओं के कल्याण से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस–2023 में आयोजित हो रही कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत डॉ. हरीश कुमार सिंघल, एसोसिएट प्रोफेसर, कौमारभृत्य विभाग के नेतृत्व में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन 9 नवम्बर 2023 को किया गया। चरक संहिता, सुश्रुत संहिता और कश्यप संहिता जैसे आयुर्वेद संहिताओं के संदर्भ और महत्वपूर्ण सिद्धांतों के चार अलग–अलग राउण्ड में काश्यप, हारीत और वात्सय नाम की तीन टीमों ने भाग लिया था।

इस प्रतियोगिता में हारीत टीम (डॉ. दिनेश, डॉ. जिज्ञासा, डॉ. अंबिका, डॉ. संजय, डॉ. रानी, डॉ. मिनाज) प्रथम स्थान पर रही। कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में डॉ. अरुण दाधीच एसोसिएट प्रोफेसर, रोग एवं विकृति विज्ञान और डॉ. संजय श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर, शल्य तन्त्र थे। कार्यक्रम में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा बनाये गये सेल्फी प्वाइंट का भी अवलोकन किया गया। उक्त कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार यादव ने किया एवं कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिनेश कुमार राय एसोसिएट प्रोफेसर, कौमारभृत्य विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

शारदीय विरेचन कर्म चिकित्सा शिविर आयोजित

विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस–2023 के मद्देनजर मनाये जा रहे शारदीय विरेचन कर्म चिकित्सा शिविर का 9 नवम्बर 2023 को समापन किया गया।

पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि 16 अक्टूबर से चले आ रहे शारदीय विरेचन कर्म चिकित्सा शिविर में कुल 250 रोगियों ने सद्य विरेचन कर्म एवम शास्त्रीय विरेचन कर्म का लाभ लिया ।

उन्होंने पंचकर्म चिकित्सा के अंतर्गत आने वाली संशोधन चिकित्सा का महत्व बताते हुए कहा कि शरद ऋतु में विरेचन कर्म का विशेष महत्व है। विरेचन कराने से पित्त और रक्त जनित व्याधियां दूर होती हैं। उन्होंने कहा कि इस ऋतु में स्वस्थ एवम रोगी व्यक्ति दोनों ही विरेचन करवा कर स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं। विरेचन से पाचन प्रणाली को सुधारा जा सकता है और यह आंतरिक शोधन की प्रक्रिया में मदद करता है। उन्होंने शास्त्रोक्त चिकित्सा का महत्व भी बताया।

इस अवसर पर शारदीय विरेचन का लाभ लिए हुए रोगियों ने भी अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि पंचकर्म की इस विधा से उन्हें त्वरित लाभ प्राप्त हुए हैं। सहायक आचार्य डॉ.दिलीप व्यास ने शारदीय विरेचन कर्म चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन करने के लिए सबका धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान सहायक आचार्य डॉ. अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरी शंकर राजपुरोहित सहित समस्त पीजी अध्येता एवम छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कुलपति आरोग्य भारती, जोधपुर द्वारा आयोजित धन्वंतरि जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने आरोग्य भारती, जोधपुर द्वारा 9 नवम्बर 2023 को आयोजित धन्वंतरि जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने अपने व्याख्यान में प्रत्येक व्यक्ति को खुश, स्वस्थ और रोग मुक्त रहने के लिए अपने जीवन में आयुर्वेद में स्वास्थ्य के सिद्धांतों का अनुपालन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहां कि दिनचर्या, ऋतुचर्या, स्वस्थवृत्त, खानपान की अच्छी आदतें, नियमित व्यायाम, स्वस्थ जीवन की महत्त्वपूर्ण कड़ी है।

आयुर्वेद दिवस–2023 पर विश्वविद्यालय परिसर में मिनी मैराथन एवं रेस वॉकिंग व नशामुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय परिसर में 9 नवम्बर 2023 को तीन किमी मिनी मैराथन और दो किमी रेस वॉकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और विश्वविद्यालय से सम्बन्धित महाविद्यालयों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुलपति और रजिस्ट्रार सीमा कविया ने मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर प्रारम्भ किया। मैराथन दौड़ 18 मिनट 10 सेकेंड में पूरी कर विश्वविद्यालय कर्मचारी मोहन राम प्रथम स्थान पर रहे, जबकि अतुल यादव दूसरे और प्रथम वर्ष के छात्र राहुल तीसरे स्थान पर रहे। इस अवसर पर कुलपति ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि आम जनता के बीच स्वस्थ रहने के लिए हर दिन सबके लिए आयुर्वेद का संदेश देने के लिए इस मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली अपनानी चाहिए और आयुर्वेदिक उपचार, दैनिक दिनचर्या और मौसमी अनुष्ठानों का पालन करने का संदेश समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक फैलाना चाहिए। रजिस्ट्रार सीमा कविया ने कहा कि हमें स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन समय निकालकर दौड़ लगानी चाहिए, ताकि हृदय संबंधी एवं अन्य जीवनशैली जनित बीमारियों से बचा जा सके। कार्यक्रम के दौरान अगद तंत्र विभागाध्यक्ष एवं नशा मुक्ति ईकाई प्रभारी डॉ. रितु कपूर के नेतृत्व में नशा मुक्ति जागरुकता रैली का भी आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स एंड स्टूडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो गोविंद प्रसाद गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया। आयोजन समिति में डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, डॉ. मनोज अदलखा सहित डॉ. सौरभ अग्रवाल, डॉ. नवनीत दाधीच, डॉ. भानुप्रिया, डॉ. प्रेम कुमार, डॉ. निकिता पंवार, डॉ. अमित गहलोत, डॉ. अंकिता ने सहयोग दिया। इस अवसर पर प्राचार्य/निदेशक प्रो. महेन्द्र शर्मा, सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, रसायनशाला निदेशक डॉ विजयपाल त्यागी, कायचिकित्सा के एचओडी प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा, संहिता सिद्धांत एचओडी डॉ. देवेन्द्र चाहर, पंचकर्म के एचओडी डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा, स्वास्थ्यवृत्त के एचओडी डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, आईटी प्रभारी डॉ. हरीश कुमार सिंघल, लीगल सेल प्रभारी डॉ. दिनेश कुमार राय, डॉ. संजय श्रीवास्तव, डॉ. विष्णुदत्त शर्मा, डॉ. आशा केपी, डॉ. गजेंद्र दुबे, डॉ. प्रवीण प्रजापति, डॉ. हेमन्त कुमार, डॉ. हेमन्त राजपुरोहित, डॉ. अवधेश शांडिल्य, डॉ. रवि आदि संकाय सदस्य, स्नातकोत्तर अध्येता एवं स्नातक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

धन्वंतरि जयंती समारोह का आयोजन

11 नवम्बर 2023 को धन्वंतरि जयंती समारोह विश्वविद्यालय के सुश्रुत सभागार में कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की गरिमामयी उपस्थिति में मनाया गया। मुख्य अतिथि वेदप्रकाश त्यागी, सीसीआईएम के पूर्व अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अजय अग्रवाल, आईआईटी,

जोधपुर, प्रोफेसर महेंद्र कुमार शर्मा निदेशक, पीजीआईए और श्री मंगला राम बिश्नोई वित्त नियंत्रक रहे। इस अवसर पर सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के संजीवनी आयुर्वेद अस्पताल, प्रशासनिक खण्ड और पीजीआईए परिसर में भगवान धन्वंतरि के सामने सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा धन्वंतरि पूजन किया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात आयुर्वेद विशेषज्ञों प्रो. अरुण त्यागी, निदेशक आरोग्यम् चिकित्सालय, जोधपुर, प्रो. मनोज शर्मा, विभागाध्यक्ष, मौलिक सिद्धांत विभाग, कला आश्रम आयुर्वेद कॉलेज, उदयपुर, डॉ गोविंद अवस्थी, जोधपुर को आयुर्वेद के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए माला, दुपट्टा, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस–2023 के दौरान मासपर्यन्त आयोजित विभिन्न गतिविधियों के अन्तर्गत स्कूलों, संस्थानों और गांवों में संकाय सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यान, पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, निबंध लेखन, शलाका प्रश्नोत्तरी और मिनी मैराथन आदि जैसे सभी कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ही यूनिवर्सिटी हेल्थ मैगज़ीन के अक्टूबर 2023 अंक और यूनिवर्सिटी न्यूज़लेटर के अक्टूबर 2023 अंक और एक पुस्तक का भी विमोचन किया गया। साथ ही 15 अगस्त 2023 के उत्सव के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित वीरभद्रासन–2 के विश्व रिकॉर्ड हेतु योग महासंघ के निदेशक श्री राकेश भारद्वाज द्वारा माननीय कुलपति महोदय को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. वेदप्रकाश त्यागी ने अपने उद्‌बोधन में मानव जीवन में आयुर्वेद के महत्त्व को उजागर किया। कुलपति ने विभिन्न रोगों से बचाव के लिए आयुर्वेद सिद्धांतों को दैनिक जीवन में अपनाने पर जोर दिया। धन्यवाद ज्ञापन पीजीआईए निदेशक प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने दिया। मंच संचालन डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा एवं उनकी टीम ने किया।

भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना एवं औषधीय पौधों का रोपण

11 नवम्बर 2023 को धन्वंतरि दिवस के उपलक्ष में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ़ होम्योपैथी, केकड़ी में आयोजित एक कार्यक्रम में सभी के स्वस्थ जीवन के लिए भगवान धन्वंतरि की पूजा अर्चना की गयी। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं चिकित्सालय अधीक्षक डॉ पुनीत आर शाह ने बताया की भगवान धन्वंतरि के जन्मदिवस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में सम्पूर्ण विश्व में मनाया जाता है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने भारतीय चिकित्सा पद्धतियों के प्रचार प्रसार पर जोर दिया। इस अवसर पर संकाय सदस्यों द्वारा औषधीय पोधो जैसे आँवला, तुलसी, निसोरा आदि का रोपण किया गया। डॉ. राजेश मीणा एवं डॉ आस्था माथुर ने बताया के इस प्रकार के पादपों को बढ़ावा देने से स्वास्थ्य एवं पर्यावरण दोनों का संरक्षण संभव है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने रोपित पोधों के संरक्षण के लिए शपथ ली।

स्वीप गतिविधियों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय द्वारा पावटा सर्किल पर रंगोली सजाकर मतदाताओं को जागरुक किया

जिला स्वीप प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी श्री अभिषेक सुराणा ने बताया कि विधान सभा चुनाव 2023 के अन्तर्गत 25 नवम्बर को होने वाले मतदान के लिए शत प्रतिशत मतदान जागरुकता हेतु 22 नवम्बर 2023 को विश्वविद्यालय ने पावटा सर्किल पर रंगोली सजाकर मतदान दिवस पर अधिक से अधिक मतदान करने के लिए आमजन को जागरुक किया। इस मौके पर कुलपति प्रो (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति, कुलसचिव सीमा कविया, प्राचार्य प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा, डीन रिसर्च प्रो. प्रेम प्रकाश व्यास, सह आचार्य डा. मोनिका वर्मा, डा. मार्कण्डेय बारहठ, लेखा अधिकारी सुरेन्द्र सिंह सहित विश्वविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित थे। स्वीप टीम के हिंगलाज दान, ईश्वर, जवरीलाल सुथार, जसराज, अशोक और दिलीप सिंह ने कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर कुलपति ने कुलसचिव के साथ उपस्थित जन समुदाय को मतदान करने की शपथ दिलाई तथा अमर शहीद मेजर शैतान सिंह की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

आकर्षक रंगोली बनाकर चौराहे की सजावट करने में समन्वयक डॉ. मोनिका वर्मा के साथ छात्र–छात्राओं साक्षी, रामेश्वर, प्रवीण, निकिता, रजनी, श्रेयांशी, पारुल, रश्मि, मीनाक्षी, खुशबू, प्रियल, हर्षिता, मुस्कान, ऋतिका और रिंकी ने सराहनीय योगदान दिया।

मेरी माटी मेरा देश विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

22 नवंबर, 2023 को मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा मेरी माटी मेरा देश विषय पर विश्वविद्यालय परिसर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक डॉ. राकेश शर्मा ने स्वागत भाषण दिया एवं सभागत अतिथियों का अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में कुलपति, प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने औषधीय पौधों के लिए भूमि की गुणवत्ता बढ़ाने और आयुर्वेद को गांवों तक विस्तारित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य वक्ता नीरी, नागपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. लाल सिंह ने औषधीय पादप विविधता और इको रिजुवेनेशन टेक्नोलॉजी पर चर्चा की। अन्य वक्ता श्री अंजनी किरोड़ीवाल ने मिट्टी एवं मिट्टी के पात्रों के दैनिक जीवन में महत्व विषय पर व्याख्यान दिया।

अतिथि व्याख्यान का आयोजन

28 नवंबर, 2023 को मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें प्रो. ईश शर्मा, आयुर्वेद चेयर, मॉरीशस विश्वविद्यालय द्वारा 'ग्लोबल स्कोप ऑफ आयुर्वेद' विषय पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. राकेश कुमार शर्मा, निदेशक सीएचआरडी, प्रसूति और स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. ए. नीलिमा और कोऑर्डिनेटर डॉ. हेमन्त कुमार, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग सहायक प्रोफेसर और डॉ. हेमन्त राजपुरोहित सहायक प्रोफेसर स्वस्थवृत्त विभाग ने सहयोग दिया।

हेल्थ कार्ड जारी

विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों अधिकारियों और छात्रों के समय–समय पर स्वास्थ्य परीक्षण व चिकित्सा व्यवस्था के लिए कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा दिनांक 30.11.2023 को 'हेल्थ कार्ड' जारी किया गया। इस अवसर पर डीएमएस डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने बताया कि सभी शैक्षणिक अधिकारियों एवं विद्यार्थियों का एक बार पंजीकरण होने के बाद वे संजीवनी अस्पताल में उपलब्ध सभी चिकित्सा सुविधाओं का लाभ ले सकते है। इस अवसर पर प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा प्रिंसिपल पीजीआईए, प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल पूर्व प्रिंसिपल, डॉ. राकेश कुमार शर्मा निदेशक सीएचआरडी और डॉ. सौरभ अग्रवाल एसोसिएट प्रोफेसर उपस्थित रहें।

सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर ने 30.11.2023 को मानव संसाधन विकास केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, जोधपुर के योगा हॉल में सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने माननीय अतिथि वक्ता डॉ. राजेंद्र तातेड़ का स्वागत किया और सीपीआर के महत्त्व के बारे में बताया। डॉ. गौरव नागर, प्रिंसिपल यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर ने छात्रों को बताया कि कार्यक्रम राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) के दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किया गया। डॉ. तातेड ने हार्ट फेल, बिजली के झटके एवं डूबने जैसे मामलों में विभिन्न सीपीआर प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार झा, डॉ. नितेश जांगिड़, डॉ. कुमारी ओमजी, डॉ. सपना सालोदिया, डॉ. ऋषिकेश आचार्य, डॉ. शैलेन्द्र राव, डॉ. अंकिता उपाध्याय, डॉ. पल्लवी, डॉ. धर्मेन्द्र आदि सहित बीएचएमएस

प्रथम वर्ष बैच के छात्र उपस्थित रहे।

एलिफ कॉन्फ्रेंस में माननीय कुलपति मुख्य अतिथि

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में कोलकाता में दिनांक 2 दिसम्बर 2023 को एलिफ कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने जीवनशैली संबंधी विकार और आयुर्वेद के माध्यम से इसका प्रबंधन विषय पर एक अतिथि व्याख्यान भी दिया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने दिनांक 6 दिसम्बर 2023 को विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, प्राचार्य पीजीआईए सहित द्रव्यगुण विज्ञान विभाग से अध्यक्ष प्रो. चंदन सिंह, डॉ. राजेंद्र पूर्बिया, एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. नरेंद्र सिंह पुरोहित सहायक प्रोफेसर एवं स्नातकोत्तर छात्र उपस्थित थे।

प्राकृतिक चिकित्सा दिवस–2023 पर आयोजित गतिविधियों के अन्तर्गत "हॉट फुट बाथ" करने का विश्व कीर्तिमान स्थापित

दिनांक 18 नवंबर 2023, छठे राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत कुलपति प्रो(वैद्य) प्रदीप की गरिमामयी उपस्थिति में "हॉट फुट बाथ" का विश्व कीर्तिमान स्थापित किया गया। इस विश्व कीर्तिमान में विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया, उप कुलसचिव एवं यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, सहित आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा एवं होम्योपैथी के संकाय सदस्यों प्रशासनिक अनुभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों सहित लगभग 500 लोगों ने भाग लिया और विश्व रिकार्ड को बनाते हुए कार्यक्रम को अविस्मरणीय बनाया।

विश्वविद्यालय के और आर्मी की कोणार्क कोर के बीच एमओयू

दिनांक 8 दिसम्बर 2023 से आर्मी वेटरन कॉम्प्लेक्स में सैन्यकर्मियों को आयुर्वेद, पंचकर्म, होम्योपैथिक और योग–प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से ईलाज मिलेगा। इस हेतु विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति और आर्मी की कोणार्क कोर की ओर से मेजर जनरल पुनीत मेहता आर्मी मेडल जीओसी द्वारा एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये।

इस एमओयू के अनुसार, कोणार्क कोर क्षेत्र में एक आयुष चिकित्सा इकाई खोली जाएगी, जिसका नाम आरोग्य वेलनेस सेंटर रखा जाएगा। इसमें नियमित आधार पर आयुष ओपीडी की सुविधा उपलब्ध होगी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. प्रजापति ने बताया कि विश्वविद्यालय सेना के जवानों एवं सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों के लिए आयुष ओपीडी की सुविधा प्रदान करेगा जिसमें आयुर्वेद, पंचकर्म, के वरिष्ठ एवं अनुभवी डॉक्टरों की दैनिक सेवाएं शामिल होगी। इसके अतिरिक्त ओपीडी में होम्योपैथी और योग–प्राकृतिक चिकित्सा उपलब्ध होगी। इस ओपीडी में वमन, विरेचन, बस्ति, अभ्यंग, स्वेदन और प्राकृतिक

चिकित्सा गतिविधियाँ जैसे गर्म स्नान, स्पाइनल स्प्रे, मिट्टी चिकित्सा, एक्यूपंक्चर आदि सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल मनीष मल्होत्रा, अति विशिष्ट सेवा मेडल, सेना मेडल, जनरल ऑफिसर कमांडिंग 12 कोर ने कहा कि कोणार्क कोर सेना क्षेत्र में आयुष ओपीडी सुविधा खुलने से अब चिकित्सा परामर्श और उपचार प्राप्त करने का अवसर मिलेगा साथ ही आयुष पद्धति के साथ–साथ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराने से सेना के जवानों को "तनाव प्रबंधन" एवं "मानसिक कल्याण" की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती सीमा कविया, पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, अस्पताल अधीक्षक प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा, द्रव्यगुण के एसो. प्रोफेसर डॉ. मनोज अदलखा, पंचकर्म विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान के नोडल अधिकारी डॉ. चंद्रभान शर्मा एवं कोणार्क कोर के सैन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के संजीवनी आयुर्वेद अस्पताल में नाड़ी, प्रकृति और स्पाइरोमेट्री मूल्यांकन ईकाई का उद्घाटन

दिनांक 8 दिसम्बर 2023 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने विश्वविद्यालय के संजीवनी आयुर्वेद अस्पताल में नाड़ी, प्रकृति और स्पाइरोमेट्री मूल्यांकन इकाई का उद्घाटन किया। प्रो. प्रजापति ने बताया कि यह रोगों के निदान में उपयोग किया जाने वाला सबसे पुराना उपकरण है जिसे आज के परिप्रेक्ष्य में वैज्ञानिक मान्यता प्राप्त है। उन्होनें कहा कि सीसीआरएएस द्वारा एक अनुसंधान आधारित मानक उपकरण विकसित किया गया जिसका उपयोग प्रकृति मूल्यांकन में किया गया था। प्रोफेसर राजेश शर्मा डीन एकेडमिक ने बताया कि संजीवनी आयुर्वेद अस्पताल में आने वाले सभी मरीजों को ये तीनों सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जाएंगी। इस अवसर पर प्रो. पी. पी. व्यास डीन रिसर्च, प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा मेडिकल अधीक्षक, डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा एचओडी स्वास्थ्यवृत्त विभाग, डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा एचओडी पंचकर्म विभाग, डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. वृषाली बराब्दे मेडिकल अधीक्षक होम्योपैथी हॉस्पिटल, डॉ. अंकिता चौधरी एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. पूजा पारीक असिस्टेंट प्रोफेसर, श्री योगेश बिश्नोई एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी उपस्थित थे।

कुलपति ने "समग्र स्वास्थ्य सेवा और संतुलित भविष्य की ओर" विषय पर व्याख्यान दिया

दिनांक 8 दिसम्बर 2023 को कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने "समग्र स्वास्थ्य सेवा और संतुलित भविष्य की ओर" विषय पर वक्ता के रूप में फॉरेस्ट रिसर्च इन्स्टीट्यूट (FRI) देहरादून में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर सबमिट में व्याख्यान दिया। कुलपति ने बताया कि आज अकादमिक प्रौद्योगिकी साझेदारी की आवश्यकता है, ताकि हम भारतीय विज्ञान की अपनी प्राचीन नैदानिक प्रभावकारिता को मान्य कर सकें। उन्होंने सभी छात्रों को छोटे–छोटे नवाचार करने पर भी जोर दिया, ताकि इन्हें मानवता की सेवा के एक बहुत बड़े सपने में बदला जा सके।

निःशुल्क यूनानी चिकित्सा शिविर का आयोजन

दिनांक 10 दिसम्बर 2023 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ यूनानी, टोंक द्वारा प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इरशाद खान की देखरेख मे कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निःशुल्क यूनानी चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में महाविद्यालय के पैरामेडिकल स्टॉफ एवं स्नातक छात्राओं ने भी सेवाएँ प्रदान कीं।

निःशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ

संजवनी आयुर्वेद चिकित्सालय में स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग द्वारा दिनांक 11 दिसम्बर 2023 को निःशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ विश्वविद्यालय की कुलसचिव सीमा कविया ने भगवान धन्वन्तरि के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्‌बोधन में विभिन्न गुदा रोगों अर्श (मस्सा), भगन्दर (नासूर) तथा गुदा में संक्रमण एवं जलन से बचाव के लिए आहार एवं जीवनशैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि मनुष्य मौसम के अनुसार एवं उचित समय पर भोजन ग्रहण करे तो गुदा रोगों से बचा जा सकता है। शुभारम्भ के अवसर पर स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ राजेश कुमार गुप्ता, डॉ. विष्णु दत्त शर्मा एवं डॉ. संजय श्रीवास्तव के साथ निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ पी.एस. जोधा, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा, स्वस्थवृत विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, एवं सभी शल्य स्नातकोतर अध्यता उपस्थित रहे। प्रो. राजेश गुप्ता ने बताया कि इस निःशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर में मस्सा, नासूर, गुदा में जलन का इलाज क्षार सूत्र पद्धति से किया जा रहा है। इस चिकित्सा शिविर में गृधसी, सन्धिवात, पुराने घाव (व्रण), मधुमेहजन्य व्रण आदि रोगों का भी अग्नि कर्म एवं जलौका के द्वारा इलाज किया जायेगा। इस शिविर में लगभग 35 रोगियों का पंजीकरण किया गया जिसमें से 07 रोगियों का ऑपरेशन किया गया।

टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में माननीय कुलपति मुख्य अतिथि

कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति दिनांक 12 दिसम्बर 2023 को श्रीगंगानगर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर द्वारा 'जीवन शैली विकार, आयुर्वेदिक जागरूकता, उपचार और प्रबंधन' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रो. प्रजापति ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि इस प्रकार के सेमिनार से स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्वानों में कौशल एवं ज्ञान में वृद्धि होती है। सेमिनार में पीजीआईए के मौलिक सिद्धांत विभाग के एचओडी डॉ. देवेन्द्र चाहर ने जीवनशैली विकार–कारण और प्रबंधन विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

श्रीगंगानगर यात्रा के दौरान कुलपति ने पंजाब आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज, मोरझंडा खारी का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कॉलेज के ओपीडी, आईपीडी, पंचकर्म और हर्बल गार्डन का दौरा किया और शिक्षकों और छात्रों के साथ बातचीत की। प्रो. प्रजापति ने एक वर्षीय पी.जी. सर्टिफिकेट कोर्स चलाने, सेना क्षेत्र में ओपीडी खोलने, अन्य नैदानिक गतिविधियों और मानवता की सेवा के लिए विभिन्न आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने जैसे बहुमूल्य सुझाव महाविद्यालय प्राचार्य को दिए।

रस शास्त्र और रचना शारीर विभाग द्वारा आयोजित 6 दिवसीय सीएमई का उद्‌घाटन

माननीय कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना के स्नातकोत्तर विभाग और रचना शारीर के स्नातकोत्तर विभाग द्वारा दिसम्बर के दूसरे सप्ताह में आयोजित 6 दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रमों का उद्‌घाटन किया गया। यह दोनों सीएमई राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित की गयी। इस अवसर पर प्रो. गोविंद सहाय शुक्ला विभागाध्यक्ष रस शास्त्र विभाग ने माननीय कुलपति प्रोफेसर प्रजापति को पुष्प गुच्छ और साफा देकर स्वागत किया। सभी प्रतिभागियों ने प्रोफेसर प्रजापति को अपना परिचय दिया और देश भर में प्रतिष्ठित शिक्षाविद् और शानदार व्यवस्थाएं प्रदान करने के लिए उन्हें हार्दिक धन्यवाद दिया। प्राचार्य प्रो. महेन्द्र शर्मा ने वक्ताओं का माल्यार्पण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की

रजिस्ट्रार श्रीमती. सीमा कविया, प्रो. चंदन सिंह, डॉ. दुर्गाप्रसाद सीईओ, डाबर इंडिया लिमिटेड, डॉ. राजाराम अग्रवाल, डॉ. विजयपाल त्यागी, निदेशक फार्मेसी, डॉ. राकेश कुमार शर्मा, निदेशक सीएचआरडी, अन्य संकाय सदस्य और स्नातकोत्तर विद्वान उपस्थित थे। मंच संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीषा गोयल ने किया।

अपना घर आश्रम में नियमित रूप से दैनिक शिविर का आयोजन

दिनांक 14 दिसम्बर 2023 को माननीय कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने पाल रोड, हाउसिंग बोर्ड पुलिस स्टेशन के पास, जोधपुर में अपना घर आश्रम का दौरा किया गया। उन्हें बताया गया कि इस आश्रम में लगभग 200 अनाथ बच्चे रहते हैं। उनमें से कई लोग कई बीमारियों से पीड़ित हैं। प्रो.प्रजापति ने बताया कि आयुर्वेद विश्वविद्यालय की एक टीम नियमित रूप से आश्रम का दौरा करेगी और चिकित्सा व स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करेगी। इस अवसर पर माननीय कुलपति महोदय के साथ डॉ. संजय श्रीवास्तव एसोसिएट प्रोफेसर एवं डीएमएस संजीवनी आयुर्वेद हॉस्पिटल उपस्थित रहे।

निफ्ट में आयुष ओपीडी का उद्घाटन

दिनांक 15 दिसम्बर 2023 को माननीय कुलपति प्रो प्रदीप कुमार प्रजापति और प्रो जी. एच. एस प्रसाद निदेशक निफ्ट ने विश्वविद्यालय के सहयोगात्मक रूप से राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलॉजी संस्थान, जोधपुर के परिसर में आयुष ओपीडी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्रीमती सीमा कविया रजिस्ट्रार डीएसआरआरएयू, प्रोफेसर महेंद्र कुमार शर्मा प्राचार्य/ निदेशक, पीजीआईए, डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा एचओडी पंचकर्म विभाग, डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा डीएमएस, संजीवनी आयुर्वेद अस्पताल, डॉ. सौरभ अग्रवाल एसोसिएट प्रोफेसर स्वस्थवृत्त विभाग और डॉ. गौरव नागर प्राचार्य यूसीएच, डॉ. विक्रांत त्रिपाठी असिस्टेंट प्रोफेसर, यूसीएच मौजूद रहे। इस आयुष ओपीडी में प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को निःशुल्क परामर्श के साथ–साथ निःशुल्क आयुष औषधि का भी वितरण निवासियों को किया जाएगा।

विश्वविद्यालय में आयुष विभाग का कौशल विकास कार्यक्रम का उद्घाटन

दिनांक 15 दिसम्बर 2023 को आयुर्वेद विश्वविद्यालय में आयुष विभाग का कौशल विकास कार्यक्रम शुरू किया गया। माननीय कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार प्रजापति की प्रेरणा से स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में आयुष विभाग के कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत पंचकर्म परिचारक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञानप्रकाश शर्मा ने बताया कि नौकरी की तलाश कर रहे ग्रामीण युवाओं के लिए यह काफी उपयोगी होगा। पीजी स्कॉलर डॉ. साधना दाधीच ने उपस्थित छात्रों को आयुर्वेद एवं पंचकर्म विभाग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कौशल विकास कार्यक्रम के उद्घाटन के इस अवसर पर पंचकर्म विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित एवं सभी पीजी छात्र उपस्थित थे।

सेमी ऑनलाइन पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स इन क्षार सूत्र थैरेपी के द्वितीय बैच को ट्रेनिंग

दिनांक 16 दिसम्बर 2023 को माननीय कुलपति वैद्य प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति द्वारा से स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग

के द्वारा संचालित "सेमी ऑनलाइन पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स इन क्षार सूत्र थैरेपी" के द्वितीय बैच के देश के विभिन्न प्रांतो से आए 15 अभ्यार्थियो को प्रमाण पत्र वितरित किए गये। इस अवसर पर प्रो. राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग, पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के द्वारा "सेमी ऑनलाइन पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स इन क्षारसूत्र थैरपी" कोर्स संचालित है। इस कोर्स के लिए देश भर के कुल 36 अभ्यार्थियो का चयन किया गया एवं चयनित अभ्यार्थियो की 24 दिन ऑनलाइन कक्षा और 6 दिन आफलाइन प्रक्टीकल ट्रेनिंग दी गई। कार्यक्रम में एसोसिएट प्रोफसर डॉ. विष्णु दत्त शर्मा, डॉ. संजय श्रीवास्तव, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. एकता उपस्थित रहे।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय बठिंडा के गोदग्राम में आयोजित विशेष चिकित्सा शिविर में 141 मरीज लाभान्वित हुए।

दिनांक 19 दिसम्बर 2023 को आयुर्वेद एवं होम्योपैथी कॉलेज की संयुक्त टीम द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय रामर की ढाणी, गोदाग्राम बठिंडा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सहायक प्रोफेसर डॉ. जोगेंद्र राव (आयुर्वेद), एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. शैलेन्द्र प्रताप राव (होम्योपैथी) ने गठिया, गठिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, नजला, खांसी, श्वास संबंधी रोग, बाल रोग एवं स्त्री रोग जैसे ल्यूकोरिया आदि के 141 रोगियों को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं दवाएँ प्रदान की गईं। साथ ही ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों से संबंधित चिकित्सकीय जानकारी भी दी गई। शिविर के संचालन में पीजी स्कॉलर डॉ. फारूक एवं डॉ. शिखा, कंपाउंडर राहुल भाटी, नूर इस्लाम, परिचारक बीरबल एवं एम्बुलेंस संचालक श्री खींयाराम ने सहयोग किया।

अपना घर आश्रम में नियमित चिकित्सा इकाई, एवं नशामुक्ति इकाई का उद्घाटन किया गया

दिनांक 22 दिसम्बर 2023 को माननीय कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति के निर्देशानुसार मोक्षदा एकादशी (गीता जयंती) के शुभ अवसर पर अपना घर संस्था में विश्वविद्यालय की ओर से नियमित चिकित्सा इकाई का शुभारम्भ किया गया। प्रभारी अधिकारी डॉ. संजय श्रीवास्तव ने बताया कि अपना घर आश्रम में रहने वाले समस्त प्रभुओं एवं वहां रहने वाले सभी आश्रितों को प्रभु नाम से सम्बोधित किया जाता है के स्वास्थ्य की जांच की गई, जिसमें लगभग 30 प्रभु क्रोनिक दुष्ट अल्सर और अन्य बीमारियाँ से पीड़ित पाए गए और कई मानसिक विकारों से पीड़ित पाए गए। इस केन्द्र में डॉ. संजय श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर, सर्जरी विभाग, सह–प्रभारी डॉ. प्रवीण कुमार प्रजापति, सहायक प्रोफेसर, अगद तंत्र, डॉ. भानुप्रिया, सहायक प्रोफेसर, कायचिकित्सा नियमित रूप से सेवा देंगे।

इंटरनेशनल कांफ्रेस "कौमारकॉन–2023" का माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने किया शुभारंभ

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति के मार्गदर्शन में स्नातकोत्तर बाल रोग विभाग की ओर से 28 से 30 दिसम्बर तक आयोजित की गई तीन दिवसीय बाल स्वास्थ्य विषयक अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस "Recent Advances In Child Health Care Through Ayurveda""कौमारकॉन –2023" का शुभारंभ माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने करते हुए बताया कि आयुर्वेद के अंतर्गत शिशु रोगों के उपचार की समुचित व्यवस्था के लिए प्रभावी चिकित्सा तंत्र विकसित किया जाना चाहिए ।

उन्होंने आयुर्वेद को महत्वपूर्ण चिकित्सा पद्धति बताते हुए कहा कि इसमें मौलिक शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में महर्षि काश्यप ने पृथक से शिशुओं के पोषण से जुड़ी चिकित्सा के सूत्र हमें दिए हैं। आयुर्वेद आयु और जीवन से जुड़े ज्ञान का विज्ञान है। उन्होंने आयुर्वेद की संपन्न भारतीय परंपरा को आधुनिक परिपेक्ष में प्रासंगिक किए जाने के लिए भी अधिकाधिक प्रयास किए जाने पर जोर दिया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष डॉ. जयन्त देवपुजारी, लूणी क्षैत्र के विधायक जोगाराम पटेल, जापान के आयुर्वेद विशेषज्ञ प्रो. हरिशंकर शर्मा, आयुष सचिव भानुप्रकाश येतुरु के साथ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बनवारी लाल गौड़ तथा प्रो. अभिमन्यु कुमार, देश के विभिन्न आयुर्वेद विश्वविद्यालयों के कुलपति यथा–राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. संजीव शर्मा, गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर के वैद्य मुकुल पटेल, उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून के प्रो. अरुण कुमार त्रिपाठी, श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय, हरियाणा के प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान, केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. रवि नारायण आचार्य, इंस्टिट्यूट ऑफ़ टीचिंग एंड रिसर्च इन आयुर्वेद, जामनगर के निदेशक प्रो. अनूप ठक्कर, राष्ट्रीय औषध पादप मंडल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो. महेश दाधीच तथा अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कुलसचिव सीमा कविया एवं प्राचार्य प्रो. महेन्द्र शर्मा ने बताया कि ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संस्थानों से शोध कार्य को बढ़ावा देने के लिए भारत के विभिन्न संस्थानों सहित अमेरिका, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, जापान, बांग्लादेश एवं नेपाल के 11 संस्थानों के साथ एम.ओ.यू. पर भी हस्ताक्षर किए गए, जो आयुर्वेद विज्ञान में शोध एवं चिकित्सा के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान करेंगे। विश्वविद्यालय के विभिन्न शिक्षकों द्वारा लिखित 7 पुस्तकों का विमोचन भी राज्यपाल मिश्र ने किया। "कौमारकॉन–2023" के आयोजन अध्यक्ष एवं डीन रिसर्च प्रो. प्रेम प्रकाश व्यास ने बताया कि इस कांफ्रेंस में 5 प्लेनरी सत्रों में 22 की–नोट स्पीकर, 18 वैज्ञानिक सत्रों में 32 रिसोर्स पर्सन सहित देश–विदेश से लगभग 700 आयुर्वेद बाल रोग विशेषज्ञों तथा स्नातकोत्तर अध्येताओं ने बाल स्वास्थ्य पर आयोजित इस ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में भाग लिया। आयोजन सचिव डॉ. हरीश कुमार सिंघल ने बताया कि अतिथि सम्मान की परम्परा में देश–विदेश से आए पावणों का राजस्थानी परंपरा में सम्मान किया गया।

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन सायंकाल में ओसिया के थार रिसॉर्ट में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पधारे हुए विद्वानों के लिये राजस्थानी संस्कृति से ओतप्रोत वातावरण में एक स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित एक क्विज प्रतियोगिता की गई जिसमें विभिन्न राज्यों से पधारे प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रमों का संचालन डॉ. संजय श्रीवास्तव के साथ डॉ. प्रवीण, डॉ. अशोक यादव, डॉ. निधि ने किया। क्विज में संहिताओं के साथ जनरल नॉलेज के प्रश्न भी पूछे गए। क्विज में कुरुक्षेत्र स्थित श्री कृष्णा आयुष विश्वविधालय के डॉ उपासना, डॉ. रितु, डॉ. वन्दना, डॉ. जसप्रीत, डॉ. मोनिका, डॉ. अमन एवं विश्वविद्यालय से डॉ. धर्मेंद्र, डॉ. मनवीता, डॉ. रानी, डॉ. जिज्ञासा, डॉ. साधना, डॉ. रोहित को प्रत्येक प्रश्न के उत्तर पर माननीय कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति, कुलसचिव सीमा कविया एवं विभागाध्यक्ष प्रो प्रेमप्रकाश व्यास, डॉ. हरीश कुमार सिंघल, डॉ दिनेश राय ने पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर बधाई देते हुए कुलपति महोदय ने विभिन्न राज्यों से पधारे प्रतिभागियों को बताया कि हमें शोध कार्यो के साथ साथ अन्य क्षेत्र के बारे में भी जानकारी रखनी चाहिए और स्वयं को अपडेट रखना चाहिए।

संरक्षक
प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति
कुलपति

उप संरक्षक
श्रीमती सीमा कविया RAS
कुलसचिव

सम्पादक
डॉ. राकेश कुमार शर्मा
निदेशक, मानव संसाधन विकास केन्द्र

सह–सम्पादक
डॉ. हरीश कुमार सिंघल
एसोसियेट प्रोफेसर, कौमारभृत्य
डॉ. भानुप्रिया चौधरी
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, काय चिकित्सा
डॉ. अरुण दाधीच
एसोसियेट प्रोफेसर, रोग व विकृति विज्ञान
डॉ. हेमन्त कुमार
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग
डॉ. मोनिका वर्मा
एसोसियेट प्रोफेसर, मौलिक सिद्धान्त
डॉ. अशोक कुमार यादव
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय
कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 65, जोधपुर (राज.)
Phone : 0291-2795312, Fax : 0291-2795300
E-mail : rau_jodhpur@yahoo.co.in
Website : https://department.rajasthan.gov.in/home/dptHome/221
स्वामी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग द्वारा भण्डारी प्रिन्टसिटी, 23-ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया गली नं. 1, न्यू पावर हाउस के पीछे, डीजल शेड, जोधपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
सम्पादक : डॉ. राकेश कुमार शर्मा

भारत सरकार की सेवार्थ
प्रिण्टेड बुक
सेवा में

.....

.....

.....

.....